INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

# यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-87 | सांध्य दैनिक | मथुरा, रविवार, 24 मई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

### हाइवे पर सड़क की मरम्मत से थमी वाहनों की रफ्तार, चिलचिलाती धूप में लोग बेहाल

# जाम के हाहाकार में हांफती रही जिंदगी

जाम की वजह से बाद गांव से पहले लगे जाम में फंसे वाहन।

भरतपुर पुल के समीप खोदे गए हाइवे का फुटपाथ पर रखा गया कचरा।

## गड्ढों को भरने के लिए खोदा गया हाइवे बना संकट

## भरतपुर पुल से रिफाइनरी तक लंबा जाम

## यातायात पुलिस भी नहीं संभाल सकी व्यवस्था

## पानी न मिलने से यात्री हुए परेशान

हाइवे के एक ओर की आधी सड़क को मरम्मत के लिए खोद दिए जाने के बाद जाम में फंसे वाहन।

**यूनिक समय, मथुरा।** हाइवे के गड्ढों पर पैबंद लगाने का काम रविवार को यातायात व्यवस्था की सांस फुला गया। बाद से नवादा और भरतपुर पुल तक जाम का झाम बना रहा, जिससे छोटे और बड़े वाहन चालक परेशान हो गए। गर्मी में जाम की वजह से वाहनों में सवार भी अकुलाते रहे। कई स्थानों पर यातायात पुलिस के व्यवस्था संभालने के बाद भी जाम के हालात बने।

गर्मी की वजह से हाइवे के नरहोली ओर भरतपुर वाले पुल के आसपास डामर पिघलने से सड़क खराब हो गई है। सड़क ऊबड़-खाबड़ होने से वाहन भी हिचकोले खाते हुए आगे बढ़ते हैं। सड़क की इस खराबी को दूर करने के लिए हाइवे की ओर से भरतपुर वाले पुल की आधी सड़क को मशीनों से काट दिया है, जिससे आगरा की ओर से आने वालों की गति थम गई है।

आज सुबह से काटी गई सड़क की वजह से नवादा ओर भरतपुर वाले पुल तक जाम लगा। वाहनों की संख्या बढ़ी तो जाम बढ़ते हुए रिफाइनरी नगर तक पहुंच गया। सैंकड़ों वाहनों के जाम में फंसने से एक ओर का हाइवे जाम हो गया।

जाम की जानकारी के बाद यातायात पुलिस सक्रिय हुई। तत्काल कुछ यातायात कर्मी बाद गांव के पुल पर पहुंचे और आगरा की ओर से मथुरा– दिल्ली की ओर बढ़ते वाहनों को बाद पुल पर चढ़ने से रोक दिया। यहां से केवल बरेली जाने वालों को सर्विस रोड से जाने दिया। इससे जाम कुछ हल्का हुआ, लेकिन पूरी तरह से समाप्त नहीं हो सका।

वहीं, नवादा से हाइवे थाना के कट तक भी जाम के हालात बने रहे। चिलचिलाती धूप में जाम लगने से वाहनों में सवार लोग परेशान हो गए। बाद पर वाहन रोकने से कार और छोटे वाहन चालक परेशान दिखे, जबकि गर्मी में जाम की वजह से यात्रा करने वाले अकुलाए दिखे। बाद पुल से गांव तक लगे जाम से वाहन चालक और सवार अधिक परेशान रहे, यहां पानी की कमी समस्या बनी।

## टेंपो वालों ने उठाया मौके का फायदा

बाद और हाइवे थाना के आसपास जाम की सूचना फरह से मथुरा तक चली तो टेंपो वाले ने किराया भी बढ़ा दिया। आपदा में अवसर की तलाश में फरह से मथुरा तक आने वाले टेंपो वालों ने 30 के स्थान पर 40 रुपये किराया वसूला। यात्रियों की इस मजबूरी का कुछ टेंपो वाले फायदा उठा दिखे, जबकि कुछ पुराने किराये के अनुसार सवारी ढोते रहे।

### गोवंश की मौत, प्रधान पुत्र पर कसेगा शिकंजा

# जांच में तय होंगे आरोप, समिति को मिला जिम्मा

**यूनिक समय, मथुरा।** थाना रिफाइनरी के गांव भैंसा में मृत्यु भोज का दूषित भोजन खाने से मरे 12 गोवंशी के मामले में प्रधान पुत्र पर शिकंजा कस सकता है। पशु पालन विभाग ने प्रधान पुत्र के खिलाफ थाना रिफाइनरी में तहरीर दी है। वहीं, गांव भैंसा की गोशाला में संरक्षित सभी गोवंश को बरारी और राल गोशाला भेजा गया है। डीएम ने जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी भी बनाई है।

गांव भैंसा निवासी मौजूदा प्रधान जगन्नाथ की बीते दिनों मृत्यु हो गई थी। बुधवार को मृत्यु भोज कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद दो दिन तक पुआ– खीर और अन्य बचे भोजन को गांव में बंटवाया गया, लेकिन ग्रामीणों ने नहीं लिया तो ग्राम पंचायत की ओर से संचालित श्री लक्ष्मी नारायण गोशाला में गायों के लिए भिजवा दिया गया।

दूषित भंडारे का भोजन खाते ही 12 गोवंश की मृत्यु हो गई थी, जबकि सात गोवंश गंभीर बीमार हो गए। गोवंश की मौत होने की जानकारी से प्रशासन में खलबली मच गई। प्रशासन– पुलिस के अलावा पशु विभाग के अधिकारी पहुंच गए थे, पुलिस को भी तैनात किया गया। वहीं, शनिवार– रविवार रात गांव भैंसा की गोशाला में संरक्षित सभी गोवंश को बरारी और राल भिजवा दिया गया। बरारी में 38 गोवंश भेजे गए, जबकि बाकी राल गोशाला भेजे गए। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा. एनएन शुक्ला ने बताया कि गायों की मौत के लिए प्रधान पुत्र जिम्मेदार है, उसने ही बासी भंडारे का भोजन गोशाला भिजवाया था।

विभाग की ओर से थाना रिफाइनरी में प्रधान पुत्र के खिलाफ तहरीर दी है। अभी पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं मिली है। भैंसा की गोशाला से संरक्षित 128 गोवंश बरारी ओर राल भेजे गए है। पूरी रात गोवंश को हटाने का काम चला, फिलहाल भैंसा गोशाला का संचालन अभी नहीं हो सकेगा। सही एनजीओ मिलने पर विचार होगा।

सीओ रिफाइनरी अनिल कपरवान ने बताया कि डीएम की ओर से मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति बनाई है। समिति में सीडीओ पूजा गुप्ता, एडीएम न्यायिक वेद प्रिय आर्य और बीडीओ मथुरा ज्योति शर्मा को शामिल किया है। इस समिति की जांच रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई तय होगी।

गांव भैंसा गोशाला से बरारी भेजे गए गोवंश।

## पशु विभाग ने प्रधान पुत्र के खिलाफ दी है तहरीर

## भैंसा गोशाला से बरारी और राल भेजे गए संरक्षित पशु

## अधिक मास: भीषण गर्मी में अटूट श्रद्धा कायम

# तपती धूप में बढ़ते रहे आस्था के पग

सूरज की तपिश के बीच सिर पर थैला रखकर परिक्रमा देते श्रद्धालु।

### गोवर्धन में आधी रात तक जाम से जूझी पुलिस

### बाजना में परिक्रमार्थियों की जमकर उमड़ी भीड़

परिक्रमा के दौरान बाजना कस्बा से निकलते श्रद्धालु।

**यूनिक समय, गोवर्धन/बाजना /मथुरा।** कहते हैं कि आस्था और श्रद्धा के आगे बाधा कोई मायने नहीं रखती है। कुछ ऐसा ही ब्रज 84 कोस परिक्रमा में दिख रहा है। श्रद्धा की डोर थामे श्रद्धालुओं का कारवां सूरज की तपिश के पसीने निकाल कर परिक्रमा की डगर पर आगे बढ़ता जा रहा है। तपती धरा और गर्म बयार भी श्रद्धा की डगर पर चल रहे श्रद्धालुओं के पगों को थाम नहीं पा रही है। दर्जनों की संख्या में श्रद्धालुओं का कारवां सूरज की तेजी को पीछे छोड़कर आस्था की मंजिल नाप रहा है।

इन दिनों तापमान और भाष्कर का तेज ब्रज 84 कोस परिक्रमा पर निकले अनगिनत श्रद्धालुओं की परीक्षा ले रहा है। तपती राह और गर्म बयार मुश्किल बन रही है, लेकिन श्रद्धा के वशीभूत श्रद्धालुओं की राह में यह बाधा मुश्किल नहीं बन पा रही है। बुलंद हौंसलों और राधे– राधे की गूंज के साथ सिर पर थैला– बैग रखे श्रद्धालु लगातार मंजिल की ओर बढ़ते हैं। आगरा के गांव अंगूठी से रामवती भी बाद गांव से सुबह 11 बजे परिक्रमा पथ पर अन्य महिलाओं के साथ चल रही है। गर्म बयार और सूरत की तपिश के बीच परिक्रमा दे रही इस वृद्धा ने कहा कि 10 दिन में परिक्रमा पूरी करनी है, मौसम को देखेंगे तो परिक्रमा पूरी नहीं होगी।

उन्होंने बताया कि गांव अगनपुरा निकाल कर दोपहर को आराम करेंगे। दिन छिपने के बाद परिक्रमा फिर शुरू करेंगे। फरह के गांव मलिकपुर के केशव तो ऐसे मौसम में परिक्रमा देने को भगवान की कृपा मानते है। उनका कहना है कि आस्था के आगे तो भगवान भी झुकते हैं, यह गर्मी क्या बिगाड़ लेगी। इसी गांव के रामदेव ऐसे मौसम को भी परिक्रमा के लायक बताते हुए राधे– राधे कहने लगे। बोले, श्रद्धा और भाव के आगे हर कठिनाई पस्त हो जाती है।

शनिवार और रविवार के वीकेंड पर गिरिराज महाराज की सप्तकोशी परिक्रमा के लिए लाखों श्रद्धालु गोवर्धन पहुंच गए, जिससे गोवर्धन आने वाले प्रमुख मार्गों पर वाहनों की लंबी–लंबी कतारें लग गईं। देर रात तक हालात ऐसे बने रहे कि कई जगह चक्का जाम जैसी स्थिति दिखाई दी। जाम की सूचना मिलते ही सीओ अनिल कुमार सिंह आधी रात को पुलिस फोर्स के साथ सड़कों पर उतर आए। पुलिस ने जमुनावता के पास वाहनों को रोककर रूट डायवर्जन किया और पैदल परिक्रमा कर रहे श्रद्धालुओं को सुरक्षित रास्ता उपलब्ध कराया। एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत भी व्यवस्थाओं की लगातार मॉनिटरिंग करते रहे।

वहीं, कस्बा बाजना में ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा में शामिल श्रद्धालुओं की सेवा के लिए बेहतर व्यवस्थाएं की गई हैं। नगर पंचायत बाजना, स्थानीय समाजसेवियों और प्रशासन के सहयोग से पूरे कस्बे को सेवा शिविर में बदल दिया गया है। भीषण गर्मी को देखते हुए जगह–जगह ठंडे पानी के प्याऊ और मीठे शरबत के स्टॉल लगाए गए हैं। ब्रज हितकारी इंटर कॉलेज परिसर में श्रद्धालुओं के ठहरने, सोने और भोजन की निशुल्क व्यवस्था की गई है। प्राथमिक उपचार, दवाइयां और मोबाइल चार्जिंग पॉइंट्स भी उपलब्ध कराए गए हैं। इन व्यवस्थाओं को देखकर श्रद्धालु भावुक नजर आए और ब्रजवासियों की सेवा भावना की सराहना की।

# ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में धूमधाम से मना नंद महोत्सव

ठाकुर द्वारिकाधीश मंदिर में आयोजित नंद महोत्सव के दौरान विराजमान आराध्य।

**यूनिक समय, मथुरा।** मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश में अधिक मास उत्सवों की श्रृंखला के अंतर्गत नंद महोत्सव श्रद्धा, उल्लास और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। प्रातःकाल ग्वाल दर्शन के दौरान ठाकुर जी के नंद महोत्सव के मनोहारी स्वरूप के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर परिसर में चारों ओर भक्तिमय वातावरण देखने को मिला और श्रद्धालु "हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की" के जयकारों से पूरा वातावरण गुंजायमान करते रहे।

मंदिर के विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने जानकारी देते हुए बताया कि अधिक मास के दौरान आयोजित होने वाले सभी धार्मिक कार्यक्रमों का निर्धारण मंदिर के गोस्वामी डॉ. वागीश कुमार, कांकरोली नरेश एवं तृतीय पीठाधीश्वर के निर्देशन में किया गया है। उन्होंने बताया कि नंद महोत्सव पर ठाकुर जी का विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थीं।

# जिले में जनगणना को जुटे 46 सौ प्रगणक और 770 सुपरवाइजर

मकान जनगणना पूर्ण करने के बाद मोबाइल में डाटा दिखाते डीएम सीपी सिंह, साथ हैं जनगणना सहायक रूबी गौड़ और सुपरवाइजर अनिल कुमार ।

**यूनिक समय, मथुरा।** जनगणना–2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत जनपद में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य गति पकड़ने लगा है। 20 जून तक चलने वाले इस अभियान में नियुक्त प्रगणक घर–घर जाकर प्रत्येक मकान का विवरण एकत्र कर रहे हैं। सर्वेक्षण के दौरान मकानों की नंबरिंग, भवन की स्थिति, उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं और अन्य जानकारियों का संकलन किया जा रहा है।

रविवार को जनगणना सहायक रूबी गौड़ और सुपरवाइजर अनिल कुमार ने डीएम आवास पर जनगणना- मकान गणना का कार्य पूरा कराया। निर्धारित प्रक्रिया के तहत डीएम आवास को मकान संख्या भी प्रदान की गई।

अधिकारियों के अनुसार, जनगणना कार्य की निगरानी के लिए 98 सेक्टर मजिस्ट्रेट और नौ जोनल मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। जिले में कुल 4773 मकान सूचीकरण ब्लॉक बनाए गए हैं। इस कार्य को पूरा कराने के लिए लगभग 4600 प्रगणक और 770 सुपरवाइजर लगाए गए हैं। जनगणना निदेशालय लखनऊकी ओर से मृगेंद्र बहादुर सिंह को जिला प्रभारी तथा अभिषेक पांडे को सह जिला प्रभारी नियुक्त किया गया है। डीएम ने सभी प्रगणकों- सुपरवाइजरों को निर्देश दिए हैं कि जनगणना का कार्य पूरी सावधानी, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ किया जाए। यह तय किया जाए कि कोई भी घर गणना से वंचित न रहे, किसी भी मकान की दोहरी गणना न हो।

## तापमान / मौसम

44 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

33 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

## सोना–चांदी भाव

**सोना**

24 कैरेट 1,59,050

22 कैरेट 1,45,800

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

**चांदी**

2,64,668 प्रति किलो

**यूनिक समय**

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

**कार्यालय:**- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

**फोन नंबर**–0565–2420150,

**मो.** 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

### बुर्जी-बिटोरों में लगी आग से गांव में मचा हड़कंप

# चालीस बीघा खेत का भूसा और चार बिटौरे जल कर स्वाहा

## ग्रामीणों ने हिम्मत कर बचाया पास बंधीं गाय-भैंसों को

**यूनिक समय, सुरीर।** गांव नगला जगरूपा स्थित नवतोली रोड पर शनिवार शाम अचानक लगी भीषण आग ने दो मेहनतकश परिवारों की वर्षों की जमा पूंजी कुछ ही पलों जलाकर राख कर दी। आग से 40 बीघा खेत का भूसा, चार बिटोरे और अन्य घरेलू सामान जलकर नष्ट हो गई। ग्रामीणों ने दौड़ धूप कर पेड़ के नीचे बंधी गाय-भैंसों को किसी तरह जलने से बचा लिया।

गांव निवासी नारायण सिंह और राजेंद्र सिंह के मकानों के पास खाली स्थान पर भूसे की दो बड़ी बुर्जी और चार बिटोरे रखे हुए थे। उनके पास ही पेड़ के नीचे पशु भी बंधे थे। शनिवार की शाम अचानक भूसे की बुर्जियों से धुआं उठने लगा। परिवार के लोग कुछ समझ पाते, इससे पूर्व वहां से आग की तेज लपटें उठने लगी। आग लगने की पता लगते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए और ट्यूबवेल चलाकर पानी से आग बुझाने में जुट गए।

तेजी से फैल रही आग से पेड़ के नीचे बंधी गाय-भैंसों की जान पर खतरा मंडरा रहा था। ग्रामीणों ने साहस दिखाया और पशुओं की रस्सियां काट कर सुरक्षित बचा लिया। फयर ब्रिगेड को भी ग्रामीणों ने फोन कर सूचना दी। ग्रामीणों का आरोप है कि सूचना दिए जाने के बाद भी दमकल करीब डेढ़ घंटे बाद मौके पर पहुंची। तब तक आग से अधिकांश भूसा और बिटोरे जलकर राख हो चुके थे। यदि दमकल विभाग समय पर पहुंच जाती तो नुकसान कम हो सकता था। आग से हुए नुकसान के बाद दोनों परिवारों के सामने पशुओं के चारे और घरेलू ईंधन का संकट खड़ा हो गया है। पीड़ितों ने प्रशासन से आर्थिक सहायता और उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।

भूसे की बुर्जियों में लगी आग से उठती आग की तेज लपटें।

### तंग गलियों में बने गोदाम, मालिक करें सुरक्षा इंतजाम

**यूनिक समय मथुरा।** वृंदावन में घनी आबादी और गलियों में व्यापारियों ने जिस तरह के गोदाम बना रखे हैं। उसे लेकर आस-पास रहने वाले लोगों में इस बात की दहशत है कि अगर रात के समय वहां ऐसा कोई हादसा हो गया तो उस स्थिति में लोग कैसे बच पाएंगे। गोदाम मालिको को वहां फायर सेफ्टी के इंतजाम करने चाहिए।अभी कुछ दिनो पूर्व बिहारी जी इलाके में (भोग प्रसाद) मिठाई की दुकान में आग लगने से इलाके में दहशत फैल गई थी। फायर ब्रिगेड को आग बुझाने में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ा था। स्थानीय लोगों का कहना है कि तंग गलियों में आग लगने की घटना होने पर वहां तक फायर ब्रिगेड की गाड़ियां कैसे पहुंच पाएगी। गोदाम मालिकों को वहां आग बुझाने के पर्याप्त साधन करने चाहिए, जिससे होने वाले नुकसान से बच सकें साथ ही इलाके के लोगों की सुरक्षा के लिए होने वाला खतरा कम हो सके।

## गैरिज में शार्ट सर्किट से लगी आग, मचा हड़कंप

**यूनिक समय, वृंदावन, मथुरा।** वृंदावन के अठखंभा इलाके के बलीगंज में एक पोशाक मालिक के गैरिज में शॉर्ट सर्किट से लगी आग से लाखों रुपये का सामान जल गया, जबकि घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने दो घंटे के अंदर काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू किया।

बलीगंज इलाके में मनोज अग्रवाल का पोशाक का शोरुम है। शोरूम के ऊपर उनका आवास है, जबकि बराबर में उनका गैरिज है। गैरिज में बैटरी इन्वेटर, पैनल आदि सामान के अलावा पोशाक का कुछ सामान भी यहां गोदाम में रखा हुआ था। रविवार प्रातः गैरिज से धुआं निकलते देख लोगों में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रुप धारण कर लिया। आग की लपटों ने वहां रखे सामान को तेजी से अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया। मनोज अग्रवाल को गैरिज में लगी आग

### फायर ब्रिगेड ने दो घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू

### आग से लाखों रुपये का सामान जला

का पता लगा तो वह भी तुरंत वहां पहुंच गए। स्थानीय लोगों ने आग को बुझाने का प्रायस किया, लेकिन आग की लपटें तेजी से फैलने लगी। पुलिस और फायर ब्रिगेड को भी सूचना दी गई। फायर ब्रिगेड ने दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से वहां रखे सामान के आलवा पोशाक का सामान भी जल गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर आग की घटना रात में हुई तो बड़ा हादसा हो सकता था। दिन होने के कारण आग पर जल्द ही कंट्रोल कर लिया गया।

## सीएनजी वाहन में आग लगने से हडकंप

यूनिक समय,कोसीकलां। सीएनजी पंप से गैस भरवाने जा रहे एक छोटे हाथी में वायरिंग में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई, जिससे हडकंप मच गया। सूचना पर पहुंची फायर बिग्रेड ने आग को काबू में किया, लेकिन तब तक छोटा हाथी जल चुका था। शनिवार को बसीम छोटा हाथी में सीएनजी भरवाने के लिए नवीपुर पंप पर जा रहा था, रास्ते में ओल्ड जीटी रोड ईदगाह के पास अचानक वायरिंग में शॉर्ट सर्किट से छोटे हाथी में आग लग गई। आग इतनी भयंकर लग गई थी कि चालक रामवीर ने गाडी से कूदकर अपनी जान बचाई। सूचना पर पहुंची फायर बिग्रेड ने आग को काबू में किया, लेकिन तब तक छोटा हाथी जलकर राख हो गया।

## जर्जर पोल के गिरने से कॉलोनी में अंधकार

क्लीनिक की छत पर गिरा बिजली का जर्जर पोल।

**यूनिक समय, मथुरा।** थाना गोविंदनगर की राधेश्याम कॉलोनी की नई मस्जिद वाली गली में बीती रात एक क्षतिग्रस्त बिजली का पोल गिरने से कॉलोनी की आपूर्ति भंग हो गई। क्लीनिक की छत भी क्षतिग्रस्त होने के साथ-साथ रास्ता भी अवरुद्ध हो गया।

नई मस्जिद वाली गली में लगा एक विद्युत पोल काफी समय से जर्जर हालत में था।

स्थानीय लोगों द्वारा इसकी शिकायत किए जाने के बाद भी विभाग ने पोल को नहीं बदलवाया। बीती रात पोल अचानक डॉ. याकूब की क्लीनिक की छत पर गिर गया। पोल के गिरने से छत क्षतिग्रस्त हो गई। इसके साथ ही पूरे

### लोगों को बिना बिजली के गुजारनी पड़ी रात

### पोल गिरने से क्लीनिक की छत टूटी, रास्ता हुआ जाम

इलाके की विद्युत आपूर्ति भी पूरी तरह से बाधित हो गई। बिजली गुल होने से रात भर लोगों को भीषण गर्मी में रहना पड़ा, रास्ता भी अवरु द्ध रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिजली विभाग के कर्मचारी प्रातः तक पोल को हटवाने के लिए नहीं आए।

## ई-रिक्शा की बैटरी में लगी आग

**यूनिक समय, वृंदावन।** प्रिया कांतजू मंदिर के पास रविवार को एक ई-रिक्शा की बैटरी में अचानक आग लग गई। घटना के बाद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पानी और अन्य साधनों की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज गर्मी और बैटरी के अधिक गर्म होने के कारण आग लगने की आशंका जताई जा रही है। आग लगते ही ई-रिक्शा चालक वाहन से दूर हट गया और आसपास मौजूद लोगों ने सतर्कता दिखाते हुए क्षेत्र खाली करा दिया। विशेषज्ञों का कहना है कि बैटरी को ओवरचार्ज न करें, खराब वायरिंग और लोकल चार्जर के उपयोग से बचें तथा धूप में लंबे समय तक वाहन खड़ा न करें।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि बैटरी चालित वाहनों की सुरक्षा जांच और जागरूकता अभियान चलाए जाएं, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

## रेलवे ट्रेक के किनारे मिला अज्ञात शव

**यूनिक समय, मथुरा।** थाना राया के गांव पिरसुआ के समीप रेलवे लाइन के किनारे से पुलिस ने एक अज्ञात युवक का शव बरामद किया है। शरीर पर चोट होने के कारण लोग हत्या की आशंका जता रहे हैं। राया पुलिस को सूचना मिली की पिरसुआ गांव के समीप रेलवे लाइन के किनारे एक अज्ञात युवक का शव पड़ा हुआ है। पुलिस ने युवक के शव की तलाशी की। युवक के पास से कोई भी ऐसी वस्तु बरामद नहीं हुई, जिससे उसकी शिनाख्त हो पाती। युवक के शरीर पर चोट के निशान भी हैं। पुलिस के अनुसार, युवक की आयु करीब 32 साल है। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस युवक की शिनाख्त के प्रयास कर रही है।

# साइबर ठगी करने वाले गैंग के छह सदस्य गिरफ्तार

**यूनिक समय, मथुरा।** साइबर थाना पुलिस ने साइबर ठगी करने वाले गैंग के आधा दर्जन सदस्यों को यमुना एक्सप्रेस वे के वृंदावन कट के समीप से थार गाड़ी समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पांच मोबाइल भी बरामद किए हैं। गैंग के सदस्यों ने औरंगाबाद की कैनरा बैंक के खाते में 44 लाख रुपये से अधिक की रकम साइबर ठगी से डलवाई गई।

साइबर थाना प्रभारी रफत मजीद ने बताया कि साइबर थाने की पुलिस वांछित साइबर अपराधियों और संदिग्धों की तलाश कर रही थी। इसी बीच पुलिस को एक सूचना मिली कि सीधे–साधे व्यक्तियों को लालच देकर उनके खातों में ऑनलाइन ट्रेडिंग टास्क आदि के विभिन्न माध्यमों से साइबर ठगी के रुपये मंगवाकर चेक बुक, एटीएम अथवा ऑन लाइन यूएसडीसी के माध्यम से रुपये निकालने वालों का एक गैंग सक्रिय है, जो इस तरह की जनपद में कई घटनाओं को अंजाम दे चुका है। गैंग किसी अन्य घटना को

पुलिस हिरासत में साइबर ठगी के आरोपित।

अंजाम देने के लिए यमुना एक्सप्रेस वे के वृंदावन कट से आगे सर्विस रोड पर काले रंग की थार गाड़ी से आया हुआ है। साइबर थाने की पुलिस टीम ने उनका वहां पहुंचकर घेर लिया। उस समय गैग के सदस्य गाड़ी के बाहर खड़े होकर किसी से बैंक खाते जुटाने की बात कर रहे थे। पुलिस ने गैंग के सदस्य प्रशांत अग्रवाल निवासी वार्ड शाही सराय थाना फरह, बलराम निवासी रामपुर बबलोरी थाना अछनेरा आगरा, लक्ष्मण निवासी पिलुआ सादिकपुर थाना फरह, कृष्णकांत उर्फ श्री कृष्ण उर्फ बाबू निवासी खेड़िया थाना रिफाइनरी, पुष्पेंद्र उर्फ पियूष निवासी गांव बिसावर थाना बिसावर जिला हाथरस और अरूण सिंह निवासी बालाजीपुरम थाना हाइवे हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों ने बताया कि गैंग ने औरंगाबाद की कैनरा बैंक शाखा के इस्तेमाल किए खाते में 28 नवंबर 2025 को 2.09 लाख रुपये, पश्चिमी बंगाल के थाना बारा नगर में एक व्यक्ति को डिजिटल अरेस्ट कर 42 लाख रुपये डलवाए गए थे। गैंग के सदस्यों ने पूछताछ में अपने आठ साथियों के बारे में भी जानकारी दी है। पुलिस ने गिरफ्तार करने के लिए दबिश दी है। गिरफ्तार करने वाली टीम में निरीक्षक अमित चौहान, उप निरीक्षर राजकुमार पवार, उप निरीक्षक जितेंद्र सिंह, उप निरीक्षक शरद त्यागी और पुलिस टीम है।

### थार गाड़ी से आए हुए थे ठगी करने के लिए

### औरगांबाद की कैनरा बैंक के खाते मे डलवाए थे 44 लाख

### पुलिस गैंग के आठ सदस्यों की गिरफ्तारी को दे रही है दबिश

## फिट इंडिया अभियान संग दौड़ी स्वास्थ्य जागरूकता साइकिल यात्रा

फिट इंडिया हिट इंडिया अभियान और रविवार साइकिल के नाम थीम साइकिल चलाते आरपीएफ थाना प्रभारी यूके कौशिक और आरपीएफ स्टाफ।

**यूनिक समय, मथुरा।** भारत सरकार के फिट इंडिया- हिट इंडिया अभियान और रविवार साइकिल के नाम थीम के अंतर्गत रविवार को रेलवे सुरक्षा बल ने फिट इंडिया साइकिल यात्रा का आयोजन किया। अभियान का मुख्य उद्देश्य रेलवे कर्मचारियों, यात्रियों और आमजन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना, नियमित व्यायाम के लिए प्रेरित करना और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना रहा। साइकिल यात्रा के दौरान जवानों ने लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, प्रतिदिन व्यायाम करने और शारीरिक रूप से सक्रिय रहने के लिए प्रेरित किया। आरपीएफ थाना प्रभारी यूके कौशिक ने कहा कि वर्तमान समय में बदलती जीवनशैली और बढ़ते प्रदूषण के कारण लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। ऐसे में साइकिल चलाना न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि पर्यावरण को भी स्वच्छ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस दौरान एसआई राकेश सिंह, मदनलाल,गिल्ला सिंह,दीवान सिंह,कारेलाल शर्मा, पुष्पेंद्र सिंह,योगेश फौजदार,पवन कुमार,देव प्रताप,विजय सिंह, मोहनबती और देवेंद्री आदि मौजूद रहे।

### जवानों और अधिकारियों ने साइकिल चलाकर दिया फिट रहने, पर्यावरण बचाने का संदेश

## मगोर्रा पुलिस ने दबोचे दो चोर, तीन बाइक बरामद

**यूनिक समय,मथुरा।** मगोर्रा पुलिस ने दो अभियुक्तों को चोरी की तीन मोटरसाइकिलों के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, बाइक चोरी करने वाले युवकों को बारे में एक सूचना मिली। पुलिस ने इस सूचना के आधार पर मां मनसा देवी धाम कॉलोनी के प्लाटिंग के समीप रोड के किनारे से अभियुक्त कमल निवासी गांव सीकरी थाना सीकरी जनपद डीग राजस्थान, हाशिम निवासी कृष्णा विहार कॉलोनी नई आबादी थाना कोसीकलां को गिरफ्तार किया। पुलिस को इनके कब्जे से चोरी की तीन बाइक बरामद हुई है। पुलिस बरामद बाइकों के बारे में जानकारी जुटा रही है कि यह कहां से चोरी की गई है।

## स्टेट हीट एक्शन प्लान के तहत आपदा मित्रों ने चलाया जागरूकता अभियान

**यूनिक समय, मथुरा।** भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान को देखते हुए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में आपदा मित्र अशोक यादव की टीम के साथ शहर के विभिन्न

पक्षियों के लिए पेड़ पर पानी पात्र रखते हुए आपदा मित्र।

क्षेत्रों में आम नागरिकों, बच्चों और राहगीरों को लू और अत्यधिक गर्मी से बचाव के उपाय बताए।

पक्षियों के लिए पेड़ों पर पानी के पात्र भी लगाए गए। जगह–जगह जागरूकता पोस्टर लगाकर लोगों को गर्मी से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। इस मौके पर राम सैनी, शुभम कुमार, राजेश, नरेश अग्रवाल, सोहन लाल, देवेन्द्र, काजल, तान्या, लवली और खुशबू सहित कई आपदा मित्र मौजूद रहे।

## परिक्रमार्थियों की सेवा कर रही 112 डायल पुलिस

**यूनिक समय, राया।** ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा में पुलिस के जवान ड्यूटी के साथ साथ परिक्रमार्थियों की सेवा करने में कोई कसर नही छोड़ रहे है। डायल 112 पर तैनात पुलिसकर्मी हरगोविंद सिंह और चन्द्रवीर भीषण गर्मी में परिक्रमा दे रहे श्रद्धालुओं को परिक्रमा मार्ग बलदेव रोड पर शीतल जल की प्याऊ लगाकर सोडा-शिकंजी और फल बांट कर सेवा कर रहे है।

## बदलती जिंदगी के साथ बढ़ रही थायराइड की बीमारी

**यूनिक समय, मथुरा।** भागदौड़ भरी जिंदगी, तनाव और बिगड़ते खानपान के बीच थायराइड की बीमारी तेजी से लोगों को अपनी चपेट में ले रही है। हालत यह है कि जनपद में हर महीने सैंकड़ों महिला थायराइड की जांच कराने अस्पताल पहुंच रही हैं,वहीं पुरूषों में यह बीमारी अभी कम है। इस बीमारी महिलाएं और युवतियां ज्यादा परेशान हैं।

25 मई कल विश्व थायरॉयड दिवस है। जिला अस्पताल और निजी लैबों में रोजाना दर्जनों मरीज थायराइड की जांच कराने पहुंच रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार, जिले में हर महीने करीब 1100 से 1500 लोग थायराइड टेस्ट करा रहे हैं। डॉक्टर बताते हैं कि पहले यह बीमारी कम सुनने को मिलती थी, लेकिन अब छोटे शहरों और गांवों तक तेजी से फैल रही है। बदलती जीवनशैली, देर रात तक जागना, फास्ट फूड खाना, तनाव लेना और मोबाइल

डा. नीरज अग्रवाल, डा.सिद्वार्थ धनगर

पर ज्यादा समय बिताना इसके बड़े कारण बन रहे हैं। जिला अस्पताल के सीएमएस डा.नीरज अग्रवाल ने बताया कि थायराइड गले में मौजूद एक छोटी सी ग्रंथि होती है, लेकिन इसके बिगड़ते ही पूरा शरीर प्रभावित होने लगता है। कई लोगों का वजन अचानक बढ़ने लगता है तो कुछ लोग तेजी से दुबले होने लगते हैं। हर समय थकान रहना, बाल झड़ना, घबराहट, चिड़चिड़ापन और नींद कम आना भी इसके प्रमुख लक्षण हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं में यह बीमारी तेजी से बढ़ रही है। इसकी समय पर जांच न होने पर मां और बच्चे दोनों पर असर पड़ सकता है। डा.सिद्वार्थ धनगर ने बताया कि थायराइड से बचाव के लिए नियमित दिनचर्या और संतुलित खानपान सबसे जरुरी है। लोगों को रोजाना हल्का व्यायाम, योग और सुबह की सैर करनी चाहिए। फास्ट फूड और ज्यादा तेल–मसाले वाले भोजन से दूरी बनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आयोडीन युक्त नमक का इस्तेमाल जरूरी है और बिना डॉक्टर की सलाह के कोई दवा नहीं लेनी चाहिए। अगर शरीर में लगातार थकान, वजन बढ़ना या घटाना, बाल झड़ना या घबराहट जैसी समस्या दिखे तो तुरंत थायराइड की जांच करानी चाहिए।

### जिले में हर महीने सैंकड़ों लोग करा रहे जांच, महिलाओं में ज्यादा खतरा

### वृंदावन में प्रशासन के दावों की हवा निकाल रहे नाविक

# नाबालिग यमुना में चला रहे नाव

वृंदावन स्थित यमुना में नाव चलाते नाबालिग बच्चे।

नाव से निकलता एक नाबालिग बच्चा।

संवाददाता

**यूनिक समय, वृंदावन।** केशी घाट पर हुए भीषण हादसे के बाद भी स्थानीय नाव चालकों और प्रशासन की नींद टूटी है। हादसे के जख्म अभी सूखे भी नहीं हैं कि यमुना नदी में लापरवाही का वही पुराना खौफनाक मंजर फिर से पैर पसारने लगा है। शनिवार दोपहर बिहार घाट पर जो तस्वीरें सामने आईं, वे यह बताने के लिए काफी हैं कि यमुना की लहरों पर एक बार फिर बड़े हादसे को खुली दावत दी जा रही है।

केशी घाट हादसे के बाद चौतरफा फजीहत झेलने वाले प्रशासन ने आनन–फानन में नाविकों के लिए सख्त नियम तय किए थे। इसके तहत

## प्रतिबंध के बावजूद यमुना में दौड़ी डबल डेकर नावें

**यूनिक समय, वृंदावन।** प्रशासन ने यमुना नदी की भौगोलिक स्थिति और पानी के उतार–चढ़ाव को देखते हुए दो मंजिला (डबल डेकर) नावों के संचालन पर प्रतिबंध लगा रखा है। इसके बावजूद शनिवार को बिहार घाट पर दो मंजिला नावें शान से तैरती नजर आईं। इन नावों पर क्षमता से अधिक श्रद्धालुओं को बैठाया जा रहा था। ऊपरी मंजिल पर बैठे लोग नाव के संतुलन को बिगाड़ रहे थे।

## अधिकारियों की चुप्पी पर उठ रहे सवाल

**यूनिक समय, वृंदावन।** पूरे मामले में स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की भूमिका पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। जब प्रशासन को पता है कि वीकेंड (शनिवार और रविवार) को वृंदावन में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है, तो घाटों पर सुरक्षा और चेकिंग की व्यवस्था पुख्ता क्यों नहीं की गई? क्या प्रशासनिक अधिकारी केशी घाट जैसे किसी और बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं। उधर, पुलिस प्रशासन ने संपर्क करने पर जवाब दिया कि ऐसा कोई मामला संज्ञान में नहीं आया है। शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

## नियमों को ठेंगा दिखाकर धड़ल्ले से चल रही दो मंजिला नावें

नाव चालकों के लिए विशेष लाइसेंस जारी किए गए।

इन लाइसेंसों में साफ तौर पर यह शर्त जोड़ी गई थी कि कोई भी नाविक बिना लाइफ जैकेट पहने न तो खुद नाव चलाएगा और न ही किसी श्रद्धालु को नाव में बैठाएगा, लेकिन शनिवार को बिहार घाट पर नियमों की सरेआम धज्जियां उड़ती देखी गईं। न तो नाविकों के पास लाइफ जैकेट थी और न ही नावों में बैठे श्रद्धालुओं को सुरक्षा का कोई साधन मुहैया कराया गया था।

लापरवाही की हद तो तब हो गई, जब शनिवार दोपहर बिहार घाट पर एक तेज रफ्तार मोटर बोट को एक नाबालिग लड़का दौड़ाता हुआ नजर आया। न तो उस नाबालिग ने लाइफ जैकेट पहनी थी और न ही नाव पर सवार सवारियों की सुरक्षा का कोई इंतजाम था। घाट पर मौजूद कुछ जागरूक श्रद्धालुओं ने जब इस पर आपत्ति जताई, तो स्थानीय स्तर पर उन्हें शांत करा दिया गया।

# ड्रोन कैमरों से होगी बकरा ईद पर निगरानी

**यूनिक समय, कोसीकलां।** 28 मई को होने वाली बकरा ईद के लिए पुलिस और प्रशासन हाई अलर्ट मोड पर है। त्योहार को शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में कराने के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। पुलिस संवेदनशील इलाकों में ड्रोन कैमरों से निगरानी करेगी। ईदगाहों, मस्जिदों और प्रमुख धार्मिक स्थलों के आसपास भारी पुलिस बल तैनात रहेगा। प्रशासनिक अधिकारियों ने ईदगाह कमेटियों और धर्मगुरुओं के साथ बैठक कर निर्देश दिए। ईदगाह में सुबह सात बजे से नमाज अता की जाएगी, इसके बाद

## ईदगाह मे सात बजे अता की जाएगी नमाज

ग्रामीण क्षेत्रों की मस्जिदों में नमाज का पढ़ाई जाएगी। पुलिस प्रशासन ने ऐसे इलाकों की सूची तैयार कर ली है, जहां विशेष सतर्कता बरती जाएगी। एसडीएम वैभव गुप्ता ने कहा कि बकरीद त्योहार को आपसी भाईचारे, सौहार्द और शांतिपूर्ण माहौल में मनाएं। खुले में कुर्बानी पर रोक है, यदि किसी ने ऐसा किया तो कार्रवाई होगी। सड़कों पर आवागमन रोककर नमाज पढ़ना प्रतिबंधित है।

## आईआईटी दिल्ली में पीएचडी के लिए अर्जुन सिंह का चयन

**यूनिक समय, मथुरा।** जनपद के होनहार युवा अर्जुन सिंह निवासी बल्देव कुंज ने अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर बड़ी सफलता हासिल की है। उनका चयन देश के प्रतिष्ठित संस्थान आईआईटी दिल्ली में पीएचडी (मैकेनिकल डिजाइन) के लिए हुआ है। इस उपलब्धि से परिवार सहित पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। अर्जुन सिंह की इस सफलता पर क्षेत्रवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। पिता विशन पाल सिंह ने कहा कि उन्हें बेटे की उपलब्धि पर गर्व है। अर्जुन ने हमेशा मेहनत, लगन और अनुशासन के साथ पढ़ाई की है। हर्ष करने वालों में पार्षद राजीव कुमार सिंह आदि ने शामिल हैं।

## नर्सिंग होम एसोसिएशन ने शर्बत पिलाकर कमाया पुण्य

बीएल तिवारी मेमोरियल अस्पताल के बाहर श्रद्धालुओं– राहगीरों को शरबत पिलाते हुए नर्सिंग होम एसोसिएशन के डॉक्टर।

**यूनिक समय, मथुरा।** पुरुषोत्तम मास में रविवार को समाजसेवा और धर्मार्थ कार्यों की अनूठी मिसाल देखने को मिली। बाढ़पुरा सदर रोड स्थित बीएल तिवारी मेमोरियल अस्पताल के बाहर नर्सिंग होम एसोसिएशन मथुरा द्वारा श्रद्धालुओं-राहगीरों के लिए ठंडे दूध– मीठे शरबत की प्याऊ लगाई गई। नर्सिंग होम एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि पुरुषोत्तम मास सेवा, दान और पुण्य का महीना माना जाता है। इसी भावना के तहत यह आयोजन किया गया, ताकि भीषण गर्मी में आमजन को राहत मिल सके। कार्यक्रम में नर्सिंग होम एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. गुलशन कुमार, सचिव डॉ. वर्षा तिवारी, डॉ. अंशुल गोयल, पूर्व आईएमए अध्यक्ष डॉ. बृजेंद्र तिवारी, डॉ. अशोक अग्रवाल, डॉ. एसबी अग्रवाल, डॉ. मनोज गुप्ता, आईएमए अध्यक्ष डॉ. बी.एस. गोयल, डॉ. अनिल चौहान, डॉ. मुक्ता सिंह, डॉ. भावना शर्मा और डॉ. संजय गुप्ता सहित अन्य लोगों का विशेष सहयोग रहा।

# फ्री मेगा कैंप में हुआ मरीजों का इलाज

डा. प्रिंस अग्रवाल और डा. गुंजन अग्रवाल का सम्मान करते पदाधिकारी।

**यूनिक समय, शेरगढ़।** छाता रोड़ स्थित श्री महाराजा अग्रसेन सेवा सदन अग्रवाल धर्मशाला पर फ्री मेगा कैंप का आयोजन अग्रवाल न्यूरो हेल्थ केयर मथुरा के न्यूरो फिजिशियन डॉ. प्रिंस अग्रवाल और डॉ. गुंजन अग्रवाल ने किया। शुभारंभ व्यापार मंडल के अध्यक्ष श्याम सुंदर गोयल ने किया। समाज सेवी बांकेलाल गर्ग ने बताया कि कैंप से इलाके के लोगों को लाभ मिला। डॉ. प्रिंस अग्रवाल ने आश्वासन भी दिया है कि माह में एक दिन में कैंप लगाएंगे।

इस अवसर पर हरिश्चंद शर्मा, महेश चंद्र गोयल, बांकेलाल गर्ग, प्रवीण कुमार गर्ग ,राकेश कुमार गोयल, श्याम सुंदर, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष दाऊदयाल गोयल, हरिओम गोयल ,खेमचंद अग्रवाल, प्रमोद कुमार आदि उपस्थित थे।

### हरे कृष्ण–हरे राम, जाम मुक्त हो वृंदावन धाम

# जाम मुक्त वृंदावन धाम के लिए गूंजी हुंकार

वृंदावन को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए वृंदावन सिविल सोसायटी के आह्वान पर निकाली एक परिक्रमा प्रशासन के नाम गांधीवादी आंदोलन में शामिल सदस्य।

प्रमुख संवाददाता

**यूनिक समय, वृंदावन।** रविवार सुबह, पंचकोसीय परिक्रमा मार्ग में "हरे कृष्ण- हरे राम, जाम मुक्त हो वृंदावन धाम", "एक ही नारा, एक ही काम – जाम मुक्त वृंदावन धाम" जैसे गगनभेदी नारों की गूंज। परिक्रमा लगाते लोग अनूठे अंदाज में आंदोलन को देखकर चौंक रहे थे। कुछ ऐसा नजारा था वृंदावन सिविल सोसाइटी के आह्वान पर जाम मुक्ति की मांग को लेकर परिक्रमा का। परिक्रमा में शामिल व्यापारिक, सामाजिक, धार्मिक, शैक्षिक और समाजसेवी संस्थाओं के पदाधिकारियों ने एक स्वर में कहा कि वृंदावन की संकरी गलियों और प्रमुख मार्गों पर अनियंत्रित ई–रिक्शा संचालन के कारण आए दिन भीषण जाम की स्थिति बन रही है। इससे स्थानीय नागरिकों, श्रद्धालुओं और आपातकालीन सेवाओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

महिलाओं ने कहा कि स्कूल जाने वाले बच्चों और वृद्धजनों को रोजाना परेशानी झेलनी पड़ती है। यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधरी तो स्थिति और गंभीर हो जाएगी। वृंदावन

## एक परिक्रमा प्रशासन के नाम आंदोलन में शामिल हुए लोग

## दिखाई एकता की ताकत, बड़े आंदोलन की चेतावनी

सिविल सोसाइटी के पदाधिकारियों का कहना था कि यह आंदोलन किसी के विरोध में नहीं, बल्कि वृंदावन के हित में है। ब्रजवासियों की मांग है कि श्रद्धा की नगरी को जाम और अव्यवस्था से मुक्त कराया जाए। परिक्रमा लगाने वालों में अभय वशिष्ठ,विजय रिणवा,श्याम गौतम, सोहन सिंह सिसोदिया, जितेंद्र सिंह राणा,अतुल श्रीवास्तव, विष्णु शर्मा, धनेंद्र अग्रवाल, पवन ठाकुर, योगेश शर्मा, श्वेता गोस्वामी,डॉ व्यास और रवि यादव आदि शामिल थे।

# मजबूत बूथ से निकलेगी जीत

## जिला पंचायत अध्यक्ष की अध्यक्षता में भाजपा शक्ति केंद्र की बैठक संपन्न

**यूनिक समय,मथुरा।** भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को और अधिक मजबूत बनाने के लिए विधानसभा गोवर्धन के ग्राम बेरी में शक्ति केंद्र की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी मुख्य अतिथि- प्रभारी के रूप में उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान संगठन की मजबूती, आगामी रणनीतियों को लेकर चर्चा की गई। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बूथ सशक्तिकरण पर विशेष जोर देते हुए कहा कि बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाकर ही प्रत्येक चुनाव में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने मोदी-योगी सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में सुनील तरकर, हर प्रसाद, हरीवान सिंह, प्रताप सिंह, चंद्रपाल पूर्व प्रधान सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, क्षेत्रीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

# सात दिन में आंतों की गंदगी को साफ कर देगा ये नेचुरल ड्रिंक

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** हमारे शरीर में आंतें बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यह न केवल भोजन को पचाने का काम करती हैं, बल्कि पचे हुए पोषक तत्वों को शरीर के अन्य अंगों तक पहुंचाने में भी अहम योगदान देती हैं। लेकिन आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी, खराब खानपान और अस्वस्थ जीवनशैली के चलते हमारी आंतें सही तरीके से काम नहीं कर पातीं। धीरे-धीरे पाचनतंत्र कमजोर होने लगता है और गट हेल्थ बिगड़ जाती है। जब हम बार-बार तला-भुना, प्रोसेस्ड या वसायुक्त खाना खाते हैं, तो इसका सीधा असर हमारी आंतों पर पड़ता है। शरीर के भीतर टॉक्सिन जमा होने लगते हैं और पेट में मल, गैस या एसिडिटी जैसी समस्याएं पैदा हो जाती हैं। अगर आपको लगता है कि आपका पेट सुबह पूरी तरह साफ नहीं हो रहा है, तो यह संकेत हो सकता है कि आपकी आंतों को डिटॉक्स करने की जरूरत है। आंतों को साफ और गट को हेल्दी बनाए रखने के लिए एक

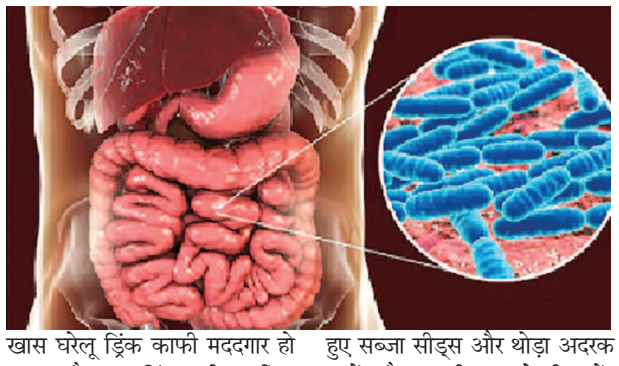

खास घरेलू ड्रिंक काफी मददगार हो सकता है। यह ड्रिंक खीरा, नींबू, अदरक, शहद और सब्जा सीड्स से तैयार किया जाता है। खीरा शरीर को ठंडक देने के साथ-साथ डिटॉक्सिफाई करने में मदद करता है। नींबू और अदरक पाचन क्रिया को बेहतर बनाते हैं जबकि सब्जा सीड्स फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं। इस ड्रिंक को बनाने का तरीका बेहद आसान है। सबसे पहले सब्जा सीड्स को कुछ समय के लिए पानी में भिगो दें। एक खीरे को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब मिक्सर में खीरा, भीगे हुए सब्जा सीड्स और थोड़ा अदरक डालें और अच्छी तरह से पीस लें। तैयार मिश्रण को एक गिलास में निकालें, उसमें बर्फ डालें, ऊपर से थोड़ा नींबू का रस और एक चम्मच शहद मिलाएं। यह जूस न केवल स्वाद में अच्छा होता है, बल्कि शरीर के भीतर की सफाई करने में भी मदद करता है। अगर इस ड्रिंक का सेवन लगातार सात दिनों तक किया जाए, तो इसका असर साफ तौर पर देखा जा सकता है। आंतों में जमा गंदगी धीरे-धीरे बाहर निकलने लगती है, पेट हल्का महसूस होता है और त्वचा में

## आज ही अपनी डाइट में इसे शामिल करें

भी चमक आने लगती है। साथ ही यह ड्रिंक वजन घटाने में भी उपयोगी साबित होता है। इसके साथ ही डाइट में फाइबर युक्त चीजों को शामिल करना भी जरूरी है। जैसे ओट्स, सेब, भीगे हुए बादाम और विभिन्न प्रकार की बेरीज। ओट्स पाचनतंत्र को मजबूत बनाते हैं और आंतों में गुड बैक्टीरिया को बढ़ाने में मदद करते हैं। सेब में मौजूद प्राकृतिक प्रोबायोटिक गट हेल्थ को बेहतर बनाते हैं। इसके अलावा, संतरा, मौसंबी जैसे खट्टे और रेशेदार फल भी रोजाना खाने चाहिए। अगर आप अपने शरीर को अंदर से साफ रखना चाहते हैं और पाचनतंत्र को मजबूत बनाना चाहते हैं, तो यह प्राकृतिक तरीका बेहद असरदार है। बिना किसी दवाई के आप सिर्फ 7 दिनों में खुद में बदलाव महसूस कर सकते हैं।

# कमजोर बालों की जड़ों के लिए आजमाएं परंपरागत घरेलू नुस्खा

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** अगर समय रहते बाल झड़ने की समस्या पर ध्यान न दिया जाए, तो यह धीरे-धीरे गंजेपन का रूप ले सकती है। इसलिए जरूरी है कि समय रहते बालों की देखभाल शुरू कर दी जाए। आज हम आपको एक बेहद आसान और असरदार घरेलू नुस्खे के बारे में बता रहे हैं, जो बालों की जड़ों को मजबूत करने में मदद कर सकता है। इस नुस्खे को तैयार करने के लिए आपको केवल दो चीजों की जरूरत होगी अंडे का सफेद हिस्सा और ऑलिव ऑइल। सबसे पहले एक कटोरी में अंडे का सफेद भाग निकालें। इसके बाद उसमें एक बड़ा चम्मच ऑलिव ऑइल मिलाएं। अब इन दोनों को अच्छी तरह से मिक्स करें ताकि एक स्मूद पेस्ट तैयार हो जाए। इस मिक्सचर को रूई की मदद से बालों की जड़ों और स्कैल्प पर अच्छे से लगाएं। लगाने के बाद इसे कम से कम 30 मिनट तक ऐसे ही छोड़ दें। फिर किसी माइल्ड शैंपू से बालों को धो लें। इस प्रक्रिया को सप्ताह में 1 से 2 बार दोहराएं। अंडे का सफेद हिस्सा प्रोटीन से भरपूर होता है, जो बालों को मजबूत बनाता है, जबकि ऑलिव ऑइल में मौजूद फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट स्कैल्प को पोषण देने का काम करते हैं। इन दोनों का मिश्रण बालों में आई कमजोरी और पोषण की कमी को दूर करने में सहायक है। अगर आप हेयर फॉल की समस्या से जूझ रहे हैं, तो इस घरेलू उपाय को अपने हेयर केयर रूटीन का हिस्सा बनाएं। नियमित इस्तेमाल से बालों की जड़ें मजबूत होंगी और बालों का झड़ना भी कम हो सकता है।

# बारिश में बगैर बीज के ऐसे उगाएं हरे पौधे

**यूनिक समय, मथुरा।** मानसून का मौसम नए पौधे लगाने के लिए सबसे बेहतरीन समय माना जाता है। इस दौरान आप बिना बीज के केवल कटिंग के जरिए कई पौधे आसानी से तैयार कर सकते हैं।

गुलाब का पौधा कटिंग से उगाने के लिए आप किसी बड़े गुलाब के पौधे की मोटी डाली काटें और उसे गमले में लगाएं। सर्दियों में इस पर खूब फूल खिलते हैं।

जेड प्लांट जिसे लकी प्लांट भी कहा जाता है, इसकी मोटी पत्तियों वाली टहनी को गमले में लगाएं। कुछ ही दिनों में यह नई ग्रोथ देने लगता है।

मनी प्लांट भी आसानी से कटिंग से उगाया जा सकता है। गांठ के नीचे

से कट लगाकर नई बेलें तैयार करें।

स्नेक प्लांट की कुछ टहनियों को गमले में लगाकर आप नया पौधा पा सकते हैं। यह कम पानी में भी जिंदा रहता है और हवा को शुद्ध करता है।

गुड़हल का पौधा भी कटिंग से लगाया जा सकता है। मोटी टहनी काटकर गमले में लगाएं, जल्द ही नई पत्तियां आनी शुरू हो जाएंगी। बारिश में ये पौधे तेजी से बढ़ते हैं और घर को हरा-भरा बनाते हैं।

# नेचुरल ग्लो के लिए करें आलू का इस्तेमाल

**यूनिक समय, मथुरा।** आलू का उपयोग न केवल खाने में, बल्कि त्वचा की देखभाल में भी किया जा सकता है। इसमें विटामिन सी, बी1, बी3, बी6 और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो त्वचा को प्राकृतिक चमक और साफ-सुथरा लुक देने में मदद करते हैं। पहला फेस मास्क आलू और शहद का है। तीन चम्मच आलू का रस और दो चम्मच शहद मिलाकर चेहरे और गर्दन पर लगाएं। पंद्रह मिनट बाद पानी से धो लें। यह त्वचा को नमी प्रदान करता है और झुर्रियों को कम करता है।

दूसरा मास्क आलू और नींबू का है। इसमें दो चम्मच आलू का रस, दो चम्मच नींबू का रस और आधा चम्मच शहद मिलाकर पेस्ट बनाएं। इसे चेहरे पर लगाएं और पंद्रह मिनट

बाद धो लें। यह तैलीय त्वचा के लिए उपयोगी है।

तीसरे मास्क में आधे आलू का रस और एक अंडे का सफेद भाग मिलाएं। चेहरे पर लगाकर सूखने दें और फिर धो लें। यह त्वचा को टाइट करता है।

चौथा फेस पैक आधा कद्दूकस किया हुआ आलू और आधा चम्मच हल्दी मिलाकर बनाया जाता है। इसे चेहरे पर लगाकर पंद्रह मिनट बाद धो लें। यह टैनिंग कम करता है और रंगत निखारता है।

# बरसात में इन दालों को खाने से बचें, वरना पाचन होगा खराब

**यूनिक समय, मथुरा।** मानसून का मौसम जहां एक तरफ राहत लेकर आता है, वहीं दूसरी ओर यह पेट से जुड़ी समस्याएं भी बढ़ा देता है। बारिश के चलते वातावरण में नमी बढ़ जाती है, जिससे शरीर की पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है। आयुर्वेद के अनुसार इस मौसम में वात और कफ का असंतुलन होता है, जो गैस, अपच, सूजन और पेट दर्द जैसी समस्याओं का कारण बन सकता है। ऐसे में सही खानपान को अपनाना जरूरी है, खासकर दालों के मामले में, क्योंकि कई दालें इस मौसम में पचने में भारी हो सकती हैं।

**पीली मूंग दालः** यह दाल सबसे हल्की और आसानी से पचने वाली मानी जाती है। न्यूट्रिशनिस्ट श्वेता शाह बताती हैं कि यह दाल पेट पर दबाव नहीं डालती और गैस, पेट फूलना या कब्ज जैसी समस्याओं से राहत देती है। बरसात में इसे खाना सुरक्षित और फायदेमंद होता है।

**मसूर दालः** मसूर दाल थोड़ी गर्म प्रकृति की होती है, लेकिन यह जल्दी पक जाती है और पचने में भी हल्की होती है। यह दाल पाचन तंत्र को राहत देती है और मानसून में इसका सेवन सुरक्षित माना जाता है।

**तुअर दालः** हालांकि तुअर दाल थोड़ी भारी हो सकती है, लेकिन अगर इसे सही मसालों जैसे राई, हींग, जीरा और थोड़ा घी डालकर पकाया जाए तो यह पचने में मदद करती है। इस मौसम में सीमित मात्रा में इसका सेवन किया जा सकता है।

**राजमाः** राजमा स्वाद में तो लाजवाब होता है, लेकिन यह पचने में भारी होता है और मानसून में गैस और पेट दर्द की वजह बन सकता है। इसलिए इसे खाने से परहेज करें।

**चना दालः** यह दाल कफ बढ़ाने वाली होती है, जो इस मौसम में सूजन और अपच जैसी समस्याएं पैदा कर सकती है।

**उड़द दालः** उड़द दाल सबसे भारी मानी जाती है और बरसात में इसे पचाना मुश्किल हो सकता है।

# डायबिटीज में फायदेमंद हैं ये पत्ते, कम होता है शुगर लेवल

**यूनिक समय, मथुरा।** डायबिटीज यानी मधुमेह आज के समय की सबसे तेजी से फैलने वाली बीमारियों में से एक बन चुकी है। यह एक मेटाबॉलिक डिसऑर्डर है, जिसमें शरीर में ब्लड शुगर यानी रक्त शर्करा का स्तर सामान्य से अधिक हो जाता है। अगर समय रहते इस पर नियंत्रण न किया जाए, तो यह आंखों, किडनी, हृदय और नर्वस सिस्टम को भी प्रभावित कर सकती है। इस बीमारी का मुख्य कारण अनियमित जीवनशैली, असंतुलित आहार, शारीरिक गतिविधियों की कमी, तनाव और नींद की कमी है। हालांकि, आधुनिक दवाओं के साथ-साथ कुछ प्राकृतिक उपाय भी ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मददगार हो सकते हैं। इसी विषय पर हाल ही में प्रसिद्ध न्यूट्रिशनिस्ट पूजा मखीजा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में उन्होंने एक खास पौधे का उल्लेख किया है, जिसके पत्तों का सेवन ब्लड शुगर लेवल को प्राकृतिक रूप से नियंत्रित

करने में सहायक हो सकता है। इस पौधे को इंसुलिन प्लांट कहा जाता है। इंसुलिन प्लांट का वैज्ञानिक नाम कोस्टस इग्नियस है। यह एक हरा-भरा, छोटा लेकिन घना पौधा होता है, जिसकी पत्तियां औषधीय गुणों से भरपूर होती हैं।

पूजा मखीजा के अनुसार, इस पौधे के पत्तों में पोरोसेलिक एसिड नामक सक्रिय यौगिक पाया जाता है। यह यौगिक शरीर में इंसुलिन संवेदनशीलता को बढ़ाता है और कोशिकाओं में ग्लूकोज के अवशोषण की क्षमता को बेहतर बनाता है। इसके साथ ही, यह यौगिक अग्न्याशय की बीटा कोशिकाओं को सक्रिय और मजबूत करने में मदद करता है, जिससे शरीर में नेचुरल इंसुलिन का उत्पादन सुचारू रूप से होता है। कई प्रारंभिक रिसर्चों और आयुर्वेदिक मान्यताओं के अनुसार, इस पौधे के नियमित सेवन से टाइप-2 डायबिटीज के मरीजों को लाभ मिल सकता है। पूजा मखीजा बताती हैं कि इंसुलिन प्लांट के ताजे हरे पत्तों को रोज़ सुबह खाली पेट चबाना सबसे प्रभावशाली तरीका है। एक बार में 1 से 2 पत्तों का सेवन पर्याप्त माना जाता है। इसका स्वाद थोड़ा कसैला हो सकता है, लेकिन इसके लाभ काफी अधिक हैं। पत्तियों को धोकर सीधा चबाया जा सकता है या फिर इन्हें सुखाकर चूर्ण के रूप में भी उपयोग किया जा सकता है। लेकिन, ताजे पत्ते ही सबसे प्रभावी माने जाते हैं। इस उपाय को अपनाते समय यह समझना जरूरी है कि यह कोई चमत्कारी इलाज नहीं, बल्कि एक सहायक उपचार है। यदि आप पहले से ही ब्लड शुगर कंट्रोल करने वाली दवाएं ले रहे हैं, तो इंसुलिन प्लांट का सेवन शुरू करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लेना आवश्यक है इस पौधे का अत्यधिक सेवन रक्त में शुगर लेवल को खतरनाक रूप से कम कर सकता है, जिससे हाइपोग्लाइसीमिया जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। किसी भी नेचुरल उपाय को अपनाने से पहले व्यक्ति की मौजूदा स्वास्थ्य स्थिति और मेडिकल हिस्ट्री को ध्यान में रखना बेहद जरूरी है। न्यूट्रिशनिस्ट पूजा मखीजा यह भी कहती हैं कि किसी भी प्राकृतिक उपाय से लाभ तभी मिल सकता है।

## सुविचार

खुश रहने का सबसे अच्छा तरीका हंसना है।

## कल का पंचांग

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| तिथि | दशमी | 04:31-05:11 तक | पक्ष | शुक्ल पक्ष |
| नक्षत्र | उत्तर फाल्गुनी | 02:50-04:08 तक | माह | ज्येष्ठ |
| सूर्योदय | | 5:30 AM | चन्द्रोदय | 01:53 PM |
| सूर्यास्त | | 7:02 PM | चंद्रास्त | 02:05 AM |
| सूर्य राशि | | वृषभ राशि | चंद्र | सिंह राशि |
| शुभ मुहूर्त | | 11:49AM -12:43PM | ब्रहम् मुहूर्त | 03:54-04:42 |
| त्योहार/व्रत | | | विक्रम संवत् | 2083 |
| राहुकाल | | 07:11 AM: 08:53 AM | वार | सोमवार |

## ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

### प्रारब्ध से भागना नहीं, समझने की जरूरत होती है

# भक्त की सेवा करने पहुंचे स्वयं जगन्नाथ

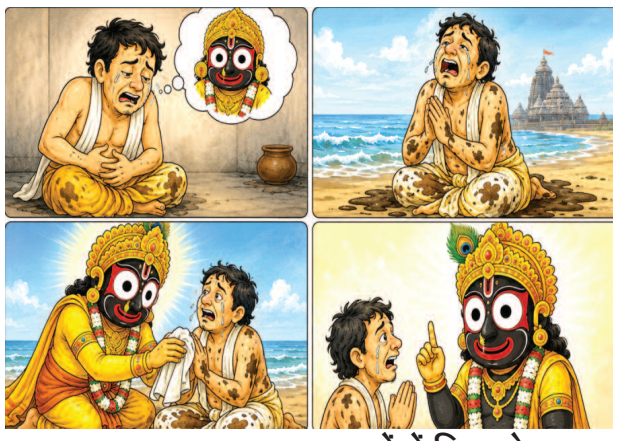

**यूनिक समय, मथुरा।** भगवान और भक्त के प्रेम की कहानियां केवल चमत्कार नहीं, बल्कि जीवन का गहरा सत्य भी सिखाती हैं। ऐसी ही एक कथा जगन्नाथ भगवान के परम भक्त की है, जिसने भयंकर बीमारी में भी अपनी भक्ति नहीं छोड़ी। यह कहानी बताती है कि सच्ची श्रद्धा केवल सुख में नहीं, बल्कि दुःख में भी भगवान पर विश्वास बनाए रखने का नाम है।

### दुःखों में छिपा होता ईश्वर प्राप्ति का मार्ग

कहा जाता है कि एक भक्त को पेट का ऐसा भयंकर रोग हो गया था कि पानी पीते ही उसकी हालत बिगड़ जाती थी। शरीर पूरी तरह कमजोर हो चुका था। वह चलने–फिरने तक में असमर्थ हो गया था। लेकिन उसकी सबसे बड़ी पीड़ा बीमारी नहीं, बल्कि यह थी कि वह रोज की तरह जगन्नाथ भगवान के दर्शन करने मंदिर नहीं जा पा रहा था। उसका नियम था कि वह दिन में आठ बार भगवान जगन्नाथ के दर्शन करता था। एक दिन वह समुद्र किनारे पड़ा रो रहा था। शरीर मल–मूत्र से सना हुआ था और कोई उसकी सहायता करने वाला नहीं था। तभी अचानक वहां स्वयं भगवान जगन्नाथ प्रकट हुए। भगवान ने अपने हाथों से भक्त के शरीर को साफ करना शुरू कर दिया। यह देखकर भक्त की आंखों से आंसू बहने लगे। उसने भगवान का हाथ पकड़ लिया और बोला, "प्रभु, आप यह क्या कर रहे हैं? आप तो परम पवित्र हैं। मेरे शरीर की गंदगी को अपने हाथों से क्यों साफ कर रहे हैं?"

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

भगवान मुस्कुराए और बोले, "जब भक्त मेरी सेवा करता है, तो क्या मैं अपने भक्त की सेवा नहीं कर सकता?" भगवान का यह उत्तर सुनकर भक्त भावुक हो गया। लेकिन फिर उसने कहा, "यदि आप मुझसे इतना प्रेम करते हैं, तो मेरा रोग ही समाप्त कर दीजिए।" तब भगवान ने जो उत्तर दिया, वह जीवन का सबसे बड़ा सत्य माना जाता है। भगवान बोले, "मनुष्य अपने प्रारब्ध यानी कर्मों का फल भोगने इस संसार में आता है। जब तक वह अपने कर्मों का फल पूरा नहीं भोग लेता, तब तक उसे मुक्ति और मेरी प्राप्ति नहीं होती। यदि मैं तुम्हारा रोग अभी दूर कर दूं, तो यह कष्ट अगले जन्म के लिए बाकी रह जाएगा।"

भगवान ने समझाया कि दुख केवल सजा नहीं, बल्कि आत्मा को शुद्ध करने का माध्यम भी होते हैं। इसलिए कठिन समय में ईश्वर से केवल दुख दूर करने की नहीं, बल्कि उसे सहने की शक्ति मांगनी चाहिए। यही सच्ची भक्ति और जीवन का वास्तविक ज्ञान है।

## मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

## कल का राशिफल

**मेष:** कार्यस्थल पर नई जिम्मेदारी मिलेगी। परिवार में सहयोग बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। पुराने मित्र से मुलाकात मन प्रसन्न करेगी।

**वृषभ:** व्यापार में लाभ के संकेत मिलेंगे। नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। धन निवेश सोच–समझकर करें। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी।

**मिथुन:** दिन उत्साह से भरा रहेगा। रुके कार्य पूरे होने की संभावना है। प्रेम संबंध मजबूत होंगे। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा।

**कर्क:** परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा। नौकरी में तरक्की के संकेत मिलेंगे। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी पुराने विवाद का समाधान संभव है। स-

**सिंह:** आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी। कार्यक्षेत्र में प्रशंसा प्राप्त होगी। दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी। नई योजना लाभ दे सकती है।

**कन्या:** कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। धन लाभ के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। सामाजिक मान–सम्मान बढ़ेगा। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात भविष्य के लिए लाभकारी होगी।

**तुला:** नौकरी में नई संभावनाएं बनेंगी। व्यापार में लाभ मिलेगा। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे। धार्मिक यात्रा का योग बन सकता है।

**वृश्चिक:** दिन सकारात्मक रहेगा। कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में लाभ के योग हैं। परिवार में खुशियों का वातावरण रहेगा। पुराने मित्र से सहयोग मिलेगा।

**धनु:** भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में उन्नति के अवसर बनेंगे। व्यापार विस्तार की योजना सफल हो सकती है। परिवार के साथ आनंददायक समय बिताएंगे। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा। यात्रा से लाभ मिलने की संभावना है।

**मकर:** कार्यक्षेत्र में मेहनत रंग लाएगी। वरिष्ठ अधिकारी आपकी सराहना करेंगे। परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। धन लाभ संभव है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में अनुभवी व्यक्ति की सलाह लाभकारी साबित होगी।

**कुंभ:** दिन शुभ रहेगा। व्यापार में नई उपलब्धि मिल सकती है। नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति के संकेत हैं। परिवार का वातावरण सुखद रहेगा। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें और समय पर आराम करें।

**मीन:** धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। कार्यस्थल पर नई जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार में आनंद का माहौल रहेगा। प्रेम संबंध मजबूत होंगे। विद्यार्थियों को मेहनत के अनुसार अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

### मलमास में करें ये पांच उपाय, पितृदोष होगा दूर

# पितरों की कृपा से आएंगी खुशियां

**यूनिक समय, मथुरा।** सनातन धर्म में मलमास यानी पुरुषोत्तम मास को बेहद पवित्र माना जाता है। इस माह में विवाह और मांगलिक कार्य भले ही वर्जित माने जाते हों, लेकिन पूजा–पाठ, दान और आध्यात्मिक साधना का विशेष महत्व होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दौरान किए गए पुण्य कार्यों से पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है और पितृ दोष से मुक्ति मिल सकती है। मान्यता है कि अगर श्रद्धा और नियमपूर्वक कुछ विशेष उपाय किए जाएं तो घर में सुख–समृद्धि, शांति और सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है।

मलमास में अमावस्या या शनिवार के दिन तर्पण और पिंडदान करना अत्यंत शुभ माना गया है। जल में काले तिल और कुश मिलाकर पितरों को अर्पित करने से उनकी आत्मा तृप्त होती है और परिवार पर

कृपा बनी रहती है। इसके अलावा पीपल के वृक्ष की पूजा का भी खास महत्व बताया गया है। पीपल के नीचे दीपक जलाकर पितरों का स्मरण करने से पितृदोष शांत होता है और करियर तथा व्यापार में सफलता मिलने लगती है।

### जीवन में बढ़ेगा सुख और वैभव

पुरुषोत्तम मास में श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ और श्रवण भी बहुत फलदायी माना जाता है। इससे मन को शांति मिलती है और पितरों की आत्मा को भी संतोष प्राप्त होता है। वहीं जरूरतमंद लोगों को अन्न, सत्तू, जल, तांबे के बर्तन और मौसमी फलों का दान करने से पुण्य फल बढ़ता है। धार्मिक मान्यता है कि इससे पितरों की अधूरी इच्छाएं शांत होती हैं।

इसके साथ ही गाय, कुत्ते और कौवों को भोजन खिलाना भी शुभ माना गया है। मान्यता है कि ये जीव पितरों तक हमारी भावनाएं पहुंचाते हैं। ऐसा करने से घर की परेशानियां दूर होती हैं और देवी–देवताओं के साथ पितरों का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है।

# नई गाड़ी पर स्वास्तिक बनाना क्यों माना जाता बेहद शुभ

**यूनिक समय, मथुरा।** नई गाड़ी खरीदना भारतीय परिवारों में केवल जरूरत पूरी करना नहीं, बल्कि नए सुख, समृद्धि और शुभ शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। यही कारण है कि वाहन घर लाने के बाद लोग सबसे पहले मंदिर जाकर पूजा कराते हैं। खासतौर पर बजरंगबली के मंदिर से सिंदूर लाकर गाड़ी पर स्वास्तिक बनाने की परंपरा आज भी बड़े विश्वास के साथ निभाई जाती है। गांव हो या शहर, यह परंपरा हर जगह देखने को मिल जाती है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान हनुमान को संकटमोचक कहा गया है। माना जाता है कि उनकी कृपा से भय, दुर्घटना और नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है। इसलिए नई गाड़ी खरीदने के बाद लोग हनुमान मंदिर जाकर पूजा

### बजरंगबली का सिंदूर देता सुरक्षा का विश्वास

### परंपरा संग जुड़ी आस्था और सकारात्मक ऊर्जा

करते हैं और वहां का सिंदूर वाहन पर लगाते हैं। ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि यह केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि मानसिक विश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक भी है।

हिंदू धर्म में स्वास्तिक चिन्ह को अत्यंत शुभ माना गया है। इसे मंगल, समृद्धि और सुरक्षा का प्रतीक बताया जाता है। मान्यता है कि वाहन पर स्वास्तिक बनाने से बुरी नजर और नकारात्मक प्रभाव दूर रहते हैं। कई लोग गाड़ी

पर "जय श्रीराम" या "जय बजरंगबली" भी लिखवाते हैं, ताकि यात्रा सुरक्षित और मंगलमय बनी रहे। भारतीय संस्कृति में किसी भी नई चीज की शुरुआत पूजा–पाठ से करना शुभ माना जाता है। नया घर, दुकान या वाहन–हर नई शुरुआत में भगवान का स्मरण करने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। वाहन खरीदने के बाद लोग नारियल फोड़ते हैं, नींबू रखते हैं और शुभ मुहूर्त में पूजा करवाते हैं। ऐसा माना जाता है कि शुभ समय में खरीदी गई गाड़ी लंबे समय तक सुख और सुरक्षा देती है।

हालांकि धार्मिक आस्था अपनी जगह है, लेकिन सड़क सुरक्षा को सबसे अधिक जरूरी माना गया है। बड़े–बुजुर्ग भी कहते हैं कि भगवान उसी की मदद करते हैं, जो खुद सावधानी रखता है। इसलिए वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियमों का पालन करना, सीट बेल्ट लगाना और सतर्क रहना बेहद जरूरी है।

आज के आधुनिक दौर में भी लोग नई गाड़ी की तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा करने से पहले उसकी पूजा जरूर करवाते हैं। यह दर्शाता है कि तकनीक और आधुनिकता के बीच भी भारतीय परंपराएं लोगों की जिंदगी में गहराई से जुड़ी हुई हैं।

## सम्पादकीय

# कर्ज वसूली में गरिमा बचाना भी जरूरी जिम्मेदारी

भारतीय बैंकिंग व्यवस्था केवल धन के लेन-देन का माध्यम नहीं, बल्कि विश्वास और भरोसे की मजबूत नींव पर खड़ी प्रणाली है। ग्राहक बैंक में अपनी मेहनत की कमाई इसलिए जमा करता है क्योंकि उसे भरोसा होता है कि यह व्यवस्था उसके हितों और सम्मान दोनों की रक्षा करेगी। लेकिन विडंबना यह है कि यही सम्मान तब अक्सर गायब हो जाता है जब कोई ग्राहक कर्ज चुकाने में असमर्थ हो जाता है। लोन रिकवरी के नाम पर जिस प्रकार मानसिक दबाव, धमकी और सामाजिक अपमान की घटनाएं सामने आती रही हैं, उन्होंने बैंकिंग व्यवस्था की संवेदनशीलता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

पवन गौतम
संपादक

बीते कुछ वर्षों में रिकवरी एजेंटों की मनमानी लगातार बढ़ी है। कर्जदारों को बार-बार धमकी भरे फोन करना, रिश्तेदारों और परिचितों तक कर्ज की जानकारी पहुंचाना, सोशल मीडिया पर अपमानित करने की कोशिश करना और सार्वजनिक दबाव बनाना सामान्य प्रवृत्ति बनती जा रही है। आर्थिक संकट से जूझ रहा व्यक्ति पहले ही मानसिक तनाव में होता है, ऐसे में इस प्रकार का व्यवहार उसे और अधिक असहाय बना देता है। कई मामलों में तो लोग अवसाद और सामाजिक अपमान के कारण गंभीर मानसिक परेशानियों का शिकार हो जाते हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा अब ऐसे मामलों पर सख्ती दिखाने की तैयारी निश्चित रूप से स्वागत योग्य कदम है। प्रस्तावित नियमों में ग्राहकों और उनके परिजनों को मानसिक या शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने, गुमनाम नंबरों से धमकी देने और सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करने जैसी गतिविधियों को गैरकानूनी माना गया है। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि बैंकिंग अनुशासन बनाए रखना जरूरी है, लेकिन उसकी आड़ में किसी व्यक्ति की गरिमा को ठेस पहुंचाना स्वीकार नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट भी इस विषय पर चिंता जता चुका है। अदालत ने स्पष्ट कहा था कि बड़े उद्योगपतियों के भारी कर्ज मामलों में नरमी बरती जाती है, जबकि छोटे कर्जदारों पर अत्यधिक दबाव डाला जाता है। यह दोहरा रवैया न केवल अन्यायपूर्ण है बल्कि बैंकिंग व्यवस्था की विश्वसनीयता को भी कमजोर करता है। वास्तव में ऋण लेना कोई अपराध नहीं है। आर्थिक परिस्थितियां कभी भी बदल सकती हैं और हर कर्जदार जानबूझकर भुगतान नहीं रोकता। इसलिए जरूरी है कि बैंक और वित्तीय संस्थाएं वसूली प्रक्रिया में मानवीय संवेदनशीलता को प्राथमिकता दें। आने वाले समय में यदि आरबीआई के नए नियम सख्ती से लागू होते हैं, तो बैंकिंग संस्कृति अधिक संतुलित और सम्मानजनक बन सकती है। ग्राहक को केवल लाभ का साधन नहीं, बल्कि सम्मानित भागीदार मानना ही स्वस्थ बैंकिंग व्यवस्था की असली पहचान होगी।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

## नजरिया

# स्मार्ट बॉर्डर प्रोजेक्ट से बदलेगी सीमा-सुरक्षा

बोध प्रकाश सगुणी

21वीं सदी में सीमा सुरक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। अब केवल सैनिक चौकियों, तारबंदी और मानव गश्त के भरोसे सीमाओं की रक्षा संभव नहीं मानी जा रही। आधुनिक तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता), ड्रोन, सेंसर और उपग्रह निगरानी ने सुरक्षा व्यवस्था को नया आयाम दिया है। इसी दिशा में भारत "स्मार्ट बॉर्डर प्रोजेक्ट" को तेजी से लागू कर रहा है। यह योजना सीमाओं को तकनीक आधारित इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा कवच में बदलने का प्रयास है।

स्मार्ट बॉर्डर प्रोजेक्ट को कम्प्रिहेंसिव इंटीग्रेटेड बॉर्डर मैनेजमेंट सिस्टम (समग्र एकीकृत सीमा प्रबंधन प्रणाली) के तहत विकसित किया गया है। इसका उद्देश्य सीमाओं पर केवल फेंसिंग तक सीमित सुरक्षा के बजाय एक इंटेलिजेंट निगरानी तंत्र तैयार करना है। इसमें थर्मल कैमरे, नाइट विजन डिवाइस, लेजर सेंसर, ड्रोन, रडार, ग्राउंड सेंसर और कमांड कंट्रोल सेंटर को एक-दूसरे से जोड़ा जाता है।

यदि सीमा पर किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि होती है तो यह सिस्टम तुरंत अलर्ट जारी कर देता है। इसके बाद सुरक्षा बल तेजी से कार्रवाई कर सकते हैं। खासतौर पर ऐसे इलाकों में यह तकनीक बेहद उपयोगी मानी जा रही है जहां सामान्य फेंसिंग प्रभावी नहीं हो पाती।

स्मार्ट बॉर्डर प्रोजेक्ट कई आधुनिक तकनीकों का संयुक्त रूप है। इसमें थर्मल इमेजर और नाइट विजन सिस्टम का उपयोग किया जाता है, जो अंधेरे, कोहरे और बारिश में भी गतिविधियां पकड़ लेते हैं।

लेजर और इन्फ्रारेड सेंसर सीमा पार करने की कोशिश होते ही अलर्ट भेज देते हैं। वहीं ग्राउंड सेंसर भूमिगत सुरंग या जमीन में होने वाली हलचल तक पहचान सकते हैं।

ड्रोन और एरोस्टेट लगातार हवाई निगरानी करते हैं। बड़े क्षेत्रों की तेज ट्रैकिंग के लिए ये तकनीक बेहद प्रभावी मानी जाती है। नदी और दलदली इलाकों में रडार और सोनार तकनीक का उपयोग गतिविधियों पर नजर रखने के लिए किया जाता है।

भारत की सीमाएं दुनिया की सबसे जटिल सीमाओं में गिनी जाती हैं। कहीं बर्फीले पहाड़ हैं तो कहीं रेगिस्तान और घने जंगल। कई सीमाएं नदी और दलदली क्षेत्रों से होकर गुजरती हैं। ऐसे में सामान्य फेंसिंग और मानव गश्त हमेशा प्रभावी साबित नहीं होती।

पाकिस्तान सीमा पर आतंकवादी घुसपैठ लंबे समय से बड़ी चुनौती रही है। ड्रोन के जरिए हथियार और नशीले पदार्थ भेजने की घटनाएं भी बढ़ी हैं। वहीं बांग्लादेश सीमा पर अवैध घुसपैठ, मानव तस्करी और पशु तस्करी गंभीर समस्या मानी जाती है।

स्मार्ट निगरानी प्रणाली चौबीसों घंटे लगातार काम कर सकती है। इससे सुरक्षा बलों की प्रतिक्रिया क्षमता भी मजबूत होती है और जवानों पर जोखिम कम होता है।

पाकिस्तान सीमा पर आतंकवादी गतिविधियां और घुसपैठ लगातार सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती बनी रहती हैं। जम्मू, पंजाब और राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रोन के जरिए हथियार भेजने और सुरंग बनाकर घुसपैठ की कोशिशें सामने आती रही हैं।

इसी कारण भारत ने 2018 में जम्मू क्षेत्र में पहला स्मार्ट फेंस पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया था। अब इसे बड़े स्तर पर लागू करने की तैयारी चल रही है।

बांग्लादेश सीमा पर असम, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और मेघालय के कई क्षेत्र संवेदनशील माने जाते हैं। यहां नदी और दलदली इलाके निगरानी को कठिन बना देते हैं।

इन इलाकों में अवैध घुसपैठ, मानव तस्करी और पशु तस्करी लंबे समय से समस्या बनी हुई है। "प्रोजेक्ट बोल्ड-क्यूआईटी" के जरिए कई नदी क्षेत्रों में स्मार्ट निगरानी व्यवस्था लागू की गई है।

लद्दाख, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर लगातार तनाव बना रहता है। कठिन मौसम और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सामान्य निगरानी बेहद चुनौतीपूर्ण होती है।

ऐसे क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी, उच्च ऊंचाई सेंसर, ड्रोन और उपग्रह तकनीक भविष्य में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

म्यांमार सीमा पर उग्रवाद, हथियार तस्करी और मादक पदार्थ नेटवर्क सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय हैं। पूर्वोत्तर राज्यों में कई संवेदनशील क्षेत्रों में स्मार्ट फेंसिंग और इलेक्ट्रॉनिक निगरानी की दिशा में काम बढ़ाया जा रहा है।

इस परियोजना का सबसे बड़ा फायदा यह है कि सीमा पर चौबीसों घंटे निगरानी संभव हो सकेगी। घुसपैठ और आतंकवादी गतिविधियों पर तेजी से कार्रवाई हो सकेगी।

लंबी अवधि में गश्त की लागत कम हो सकती है और तस्करी से होने वाले नुकसान में भी कमी आएगी। इसके अलावा "मेक इन इंडिया" के तहत रक्षा तकनीक और ड्रोन उद्योग को भी बढ़ावा मिलेगा।

स्मार्ट बॉर्डर प्रोजेक्ट के सामने सबसे बड़ी चुनौती इसकी भारी लागत है। हजारों किलोमीटर लंबी सीमा पर उच्च तकनीक प्रणाली स्थापित करना आसान नहीं है।

इसके अलावा हिमालय, रेगिस्तान और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में तकनीक को टिकाऊ बनाए रखना भी चुनौतीपूर्ण है। साइबर सुरक्षा का खतरा भी बड़ा मुद्दा माना जा रहा है।

आने वाले समय में भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित पूर्वानुमान सुरक्षा प्रणाली, स्वचालित ड्रोन गश्त और उपग्रह आधारित सीधी निगरानी को और अधिक विकसित कर सकता है।

विशेषज्ञ मानते हैं कि भविष्य की सीमा सुरक्षा पूरी तरह तकनीक आधारित होगी, जहां डेटा और वास्तविक समय निगरानी सबसे बड़ी ताकत बनेगी।

स्मार्ट बॉर्डर प्रोजेक्ट केवल फेंसिंग तक सीमित योजना नहीं बल्कि भारत की सीमा सुरक्षा सोच में बड़ा परिवर्तन है। यह परियोजना देश की सीमाओं को अधिक सुरक्षित, आधुनिक और तकनीकी रूप से सक्षम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

## विचार विण्डो

# प्रतियोगी परीक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव की बढ़ती जरूरत

राम प्रकाश वर्मा

देश में प्रतियोगी परीक्षाओं का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। उच्च शिक्षा में प्रवेश से लेकर सरकारी नौकरियों तक लगभग हर क्षेत्र में युवाओं को कई स्तर की परीक्षाओं से गुजरना पड़ता है। यह व्यवस्था एक ओर प्रतिभा चयन का माध्यम मानी जाती है, वहीं दूसरी ओर युवाओं के मानसिक, आर्थिक और सामाजिक दबाव का बड़ा कारण भी बन चुकी है। आज स्थिति यह है कि लाखों छात्र वर्षों तक केवल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में लगे रहते हैं, लेकिन सफलता सीमित सीटों और अवसरों के कारण कुछ लोगों तक ही पहुंच पाती है। ऐसे में अब आवश्यकता महसूस की जा रही है कि प्रतियोगी परीक्षा प्रणाली को अधिक तार्किक, संतुलित और मानवीय बनाया जाए।

वर्तमान व्यवस्था की सबसे बड़ी समस्या यह है कि किसी छात्र की पूरी योग्यता का आकलन केवल एक दिन की परीक्षा से किया जाता है। कई बार परीक्षा वाले दिन विद्यार्थी शारीरिक अस्वस्थता, मानसिक तनाव, पारिवारिक समस्या या अन्य सामाजिक कारणों से सामान्य प्रदर्शन नहीं कर पाते। ऐसे में वर्षों की मेहनत केवल कुछ घंटों के प्रदर्शन पर निर्भर हो जाती है। यह प्रणाली किसी भी विद्यार्थी की वास्तविक क्षमता का पूर्ण मूल्यांकन नहीं कर पाती। यही कारण है कि बड़ी संख्या में युवा असफलता के बाद निराशा और अवसाद का शिकार होने लगे हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं का बढ़ता दबाव केवल विद्यार्थियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ता है। अभिभावक बच्चों की कोचिंग, रहने और परीक्षा खर्चों पर भारी धनराशि खर्च करते हैं। कई परिवार आर्थिक बोझ के बावजूद बच्चों के भविष्य की उम्मीद में संघर्ष करते रहते हैं। बड़े शहरों में कोचिंग उद्योग का तेजी से फैलाव इसी स्थिति का परिणाम है। कोटा, दिल्ली, प्रयागराज, पटना और जयपुर जैसे शहर प्रतियोगी परीक्षा केंद्रित शिक्षा व्यवस्था के बड़े उदाहरण बन चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2015 में लालकिले से दिए गए संबोधन में समूह 'बी', 'सी' और 'डी' की सरकारी नौकरियों में साक्षात्कार समाप्त करने की बात कही थी। इसका उद्देश्य भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सरल बनाना था। यह कदम युवाओं पर अनावश्यक दबाव कम करने की दिशा में सकारात्मक माना गया। लेकिन इसके बावजूद प्रतियोगी परीक्षाओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। विभिन्न राज्यों ने अलग-अलग भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं के लिए नई एजेंसियों का गठन कर दिया है। परिणामस्वरूप विद्यार्थियों को एक ही प्रकार के अवसर के लिए कई परीक्षाओं में शामिल होना पड़ता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि "एक परीक्षा, अनेक अवसर" जैसी व्यवस्था को व्यापक स्तर पर लागू किया जाए। यदि विभिन्न भर्तियों और प्रवेश प्रक्रियाओं को समेकित किया जाए तो विद्यार्थियों को बार-बार परीक्षा देने की मजबूरी से राहत मिल सकती है। राष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त परीक्षाओं की व्यवस्था से समय, धन और संसाधनों की भी बचत होगी। इससे प्रशासनिक खर्च कम होंगे और चयन प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित बन सकेगी। राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों के लिए अलग-अलग परीक्षाओं के स्थान पर संयुक्त प्रवेश परीक्षा की व्यवस्था इसी दिशा में एक सराहनीय कदम माना जा सकता है। इससे विद्यार्थियों को अनेक परीक्षाओं के बजाय केवल एक परीक्षा देनी होगी। ऐसी पहल अन्य विश्वविद्यालयों और भर्ती संस्थाओं को भी अपनानी चाहिए। यदि इंजीनियरिंग, चिकित्सा, पैरामेडिकल, शिक्षक भर्ती और अन्य क्षेत्रों में समेकित परीक्षा मॉडल विकसित किए जाएं, तो प्रतियोगी परीक्षाओं का अनावश्यक बोझ काफी हद तक कम हो सकता है। प्रतियोगी परीक्षाओं के बढ़ते विस्तार ने एक विशाल व्यावसायिक ढांचा भी खड़ा कर दिया है। कोचिंग संस्थान, टेस्ट सीरीज, अध्ययन सामग्री और ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का बड़ा बाजार तैयार हो चुका है। कई निजी संस्थान विद्यार्थियों और अभिभावकों की चिंता का लाभ उठाकर अत्यधिक शुल्क वसूलते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं के नाम पर भय और असुरक्षा का माहौल बनाया जाता है। प्रामाणिक मार्गदर्शन के अभाव में छात्र अक्सर भ्रमित हो जाते हैं और व्यावसायिक संस्थानों की चमक-दमक से प्रभावित होकर आर्थिक शोषण का शिकार बनते हैं। यह भी सच है कि प्रतियोगी परीक्षाओं का मौजूदा स्वरूप शिक्षा की मूल भावना को प्रभावित कर रहा है। विद्यालय और महाविद्यालय की पढ़ाई का महत्व लगातार कम होता जा रहा है। विद्यार्थी ज्ञान और कौशल विकसित करने के बजाय केवल परीक्षा पास करने की रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करने लगे हैं। रटने की प्रवृत्ति बढ़ रही है जबकि रचनात्मकता, विश्लेषण क्षमता और नैसर्गिक प्रतिभा पीछे छूटती जा रही है। शिक्षा का उद्देश्य केवल अंक या रैंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि व्यक्तित्व और बौद्धिक क्षमता का विकास होना चाहिए। विशेषज्ञ लंबे समय से यह सुझाव देते रहे हैं कि विद्यालय और महाविद्यालय के परिणामों को अधिक महत्व दिया जाना चाहिए। यदि नियमित शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रवेश और भर्ती प्रक्रिया का आधार बनाया जाए तो विद्यार्थियों पर एकमुश्त परीक्षा का दबाव कम हो सकता है। कई विकसित देशों में निरंतर मूल्यांकन प्रणाली अपनाई जाती है, जहां केवल एक परीक्षा से भविष्य तय नहीं होता। भारत में भी इस दिशा में गंभीर विचार की आवश्यकता है। तकनीक के उपयोग से भी प्रतियोगी परीक्षा व्यवस्था को अधिक संतुलित बनाया जा सकता है। आईआईटी कानपुर द्वारा विकसित "साथी" ऐप जैसी पहल विद्यार्थियों को विश्वसनीय अध्ययन सामग्री और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने में मदद कर रही है। सीबीएसई ने भी विद्यार्थियों को इससे जोड़ने के निर्देश दिए हैं। यदि देश के अन्य शीर्ष शैक्षणिक संस्थान भी इसी प्रकार के निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण मंच विकसित करें तो विद्यार्थियों को महंगी कोचिंग पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। मानसिक स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी वर्तमान परीक्षा प्रणाली पर पुनर्विचार आवश्यक है। लगातार असफलताओं और अत्यधिक प्रतिस्पर्धा के कारण युवाओं में तनाव, अवसाद और आत्महत्या जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं। यह स्थिति किसी भी समाज के लिए चिंताजनक है। शिक्षा और रोजगार की व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जो युवाओं को अवसर देने के साथ आत्मविश्वास भी प्रदान करे। प्रतियोगी परीक्षाएं पूरी तरह समाप्त नहीं की जा सकतीं, क्योंकि चयन प्रक्रिया में गुणवत्ता और निष्पक्षता बनाए रखना भी जरूरी है। लेकिन उनकी संख्या, स्वरूप और दबाव को तार्किक बनाना समय की मांग है। एकीकृत परीक्षाएं, निरंतर मूल्यांकन, तकनीकी सहायता और पारदर्शी भर्ती प्रणाली इस दिशा में प्रभावी कदम साबित हो सकते हैं। देश के युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा को केवल परीक्षा मशीन बनाकर नहीं आंका जा सकता। आवश्यकता ऐसी व्यवस्था की है जो उनकी योग्यता, रचनात्मकता और मानसिक संतुलन तीनों को महत्व दे। यदि प्रतियोगी परीक्षा प्रणाली को अधिक मानवीय, व्यावहारिक और संतुलित बनाया गया, तो यह न केवल विद्यार्थियों के लिए राहतकारी होगा बल्कि देश की शिक्षा और रोजगार व्यवस्था को भी अधिक मजबूत बना सकेगा।

### भारतीय एथलेटिक्स के लिए ऐतिहासिक दिन

# गुरिंदरवीर, विशाल टीके और तेजस्विन शंकर ने रांची में रचा इतिहास

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** रांची के बिरसा मुंडा स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय सीनियर फेडरेशन एथलेटिक्स प्रतियोगिता का दूसरा दिन भारतीय खेल इतिहास के लिए बेहद खास साबित हुआ। भारतीय एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिए और देश को नई उपलब्धियां दिलाईं। गुरिंदरवीर सिंह, विशाल टीके और तेजस्विन शंकर जैसे खिलाड़ियों ने अपने दमदार प्रदर्शन से प्रतियोगिता को यादगार बना दिया।

पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में गुरिंदरवीर सिंह ने 10.09 सेकंड का समय निकालते हुए नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया। इस प्रदर्शन के साथ वह इस साल एशिया के दूसरे सबसे तेज धावक बन गए हैं। उनकी इस उपलब्धि की खेल जगत से लेकर सोशल मीडिया तक जमकर चर्चा हो रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि

गुरिंदरवीर आने वाले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भारत के लिए बड़ी उम्मीद बन सकते हैं।

वहीं तमिलनाडु के 22 वर्षीय धावक विशाल टीके ने 400 मीटर दौड़ में इतिहास रच दिया। उन्होंने यह रेस 44.98 सेकंड में पूरी की और 45 सेकंड से कम समय में 400 मीटर दौड़ पूरी करने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए। इससे पहले विशाल ने 45.12 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था, जिसे अब उन्होंने खुद ही तोड़ दिया। उनके इस प्रदर्शन ने न केवल नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम किया, बल्कि उन्हें 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए क्वालीफाई भी करा दिया। इस साल एशिया में भी उनका प्रदर्शन सबसे बेहतरीन माना जा रहा है।

डेकाथलॉन स्पर्धा में तेजस्विन शंकर ने भी नया इतिहास रचा। उन्होंने कुल 8057 अंक हासिल कर 8000 से अधिक अंक पाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। इसके साथ ही उन्होंने अपना पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। तेजस्विन का यह प्रदर्शन उन्हें एशिया के शीर्ष खिलाड़ियों की सूची में सातवें स्थान तक ले गया है।

राष्ट्रीय सीनियर फेडरेशन प्रतियोगिता में भारतीय खिलाड़ियों के इन शानदार प्रदर्शनों ने साबित कर दिया है कि भारतीय एथलेटिक्स अब तेजी से नए मुकाम की ओर बढ़ रहा है।

## खिलाड़ियों ने तोड़े कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड

# एक साल बाद भी कायम 'धुरंधर' का क्रेज

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' रिलीज के करीब एक साल बाद भी दर्शकों के बीच जबरदस्त चर्चा में बनी हुई है। सिनेमाघरों में रिकॉर्डतोड़ कमाई करने के बाद अब फिल्म का अनकट वर्जन ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर फिर से ट्रेंड कर रहा है। फिल्म इस समय नेटफ्लिक्स की टॉप ट्रेंडिंग सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। रणवीर सिंह स्टारर इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करते हुए 1800 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की थी। फिल्म में रणवीर सिंह के अभिनय को दर्शकों ने खूब सराहा था। वहीं अक्षय खन्ना और अर्जुन रामपाल के किरदार भी सोशल मीडिया पर लंबे समय तक चर्चा में रहे। फिल्म की कहानी और एक्शन सीक्वेंस को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था।

'धुरंधर' की सफलता के बाद इसका दूसरा भाग 'धुरंधरः द रिवेंज' भी सिनेमाघरों में रिलीज हुआ, जिसने कमाई के मामले में शानदार प्रदर्शन किया। अब यह फिल्म ओटीटी रिलीज के लिए तैयार है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 'धुरंधरः द रिवेंज' चार जून से नेटफ्लिक्स और डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। दोनों फिल्मों ने मिलकर बॉक्स ऑफिस पर 3000 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार किया है। रणवीर सिंह के करियर की यह सबसे बड़ी सफल फिल्मों में गिनी जा रही है। अब दर्शकों को इसके दूसरे भाग के ओटीटी प्रीमियर का बेसब्री से इंतजार है।

### करण जौहर ने किया बड़ा खुलासा

# है जवानी तो इश्क होना है' के बाद संन्यास लेंगे डेविड धवन

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** बॉलीवुड के मशहूर निर्देशक डेविड धवन को लेकर एक बड़ा खुलासा सामने आया है। फिल्म निर्माता करण जौहर ने संकेत दिए हैं कि डेविड धवन अपनी आगामी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' के बाद निर्देशन से संन्यास ले सकते हैं। करण जौहर ने हाल ही में डेविड धवन को समर्पित एक फिल्म महोत्सव में हिस्सा लेने के बाद सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा की।

करण जौहर ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा कि जब डेविड धवन ने उन्हें बताया कि यह उनकी आखिरी फिल्म हो सकती है, तो उनके मन में भावुकता और सम्मान दोनों भावनाएं उमड़ आईं। उन्होंने लिखा, "डेविड

धवन सिर्फ एक निर्देशक नहीं, बल्कि हिंदी सिनेमा में मनोरंजन की एक पूरी शैली के निर्माता हैं। उनकी फिल्में हमेशा दर्शकों के लिए मनोरंजन का पर्याय रही हैं।"

करण ने आगे कहा कि 1990 और 2000 के दशक में डेविड धवन ने कॉमेडी फिल्मों के जरिए बॉलीवुड को नई पहचान दी। उनकी फिल्मों ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल की, बल्कि कई नए निर्देशकों को भी प्रेरित किया। जौहर के अनुसार, डेविड धवन का हिंदी सिनेमा में योगदान बेहद खास और यादगार है।

डेविड धवन की आगामी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' पांच जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में वरुण धवन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है, जिसमें मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े भी अहम किरदार निभा रही हैं। कहानी पूर्व और वर्तमान रिश्तों के बीच उलझे प्रेम त्रिकोण पर आधारित बताई जा रही है। फिल्म रिलीज से पहले ही चर्चा में बनी हुई है। ऐसे में यदि यह डेविड धवन के करियर की आखिरी फिल्म साबित होती है, तो यह उनके प्रशंसकों और हिंदी सिनेमा के लिए एक भावुक पल होगा।

### बांग्लादेश से क्लीन स्वीप पर भड़के सरफराज

# शान मसूद की कप्तानी पर संकट गहराया

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** बांग्लादेश दौरे पर टेस्ट सीरीज में 2-0 से मिली शर्मनाक हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम में हलचल तेज हो गई है। हाल ही में टीम के हेड कोच बने सरफराज अहमद खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बेहद नाराज बताए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सिलहट टेस्ट में 78 रन की हार के बाद ड्रेसिंग रूम में हुई टीम मीटिंग के दौरान सरफराज ने खिलाड़ियों को जमकर फटकार लगाई। वहीं लगातार खराब प्रदर्शन के चलते टेस्ट कप्तान शान मसूद की कप्तानी पर भी खतरा मंडराने लगा है।

रिपोर्ट के मुताबिक सरफराज अहमद ने बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, इमाम उल हक, सलमान अली आगा और सउद शकील सहित

कई वरिष्ठ खिलाड़ियों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि टीम के लिए खेलना जरूरी है, सिर्फ व्यक्तिगत प्रदर्शन से टीम को फायदा नहीं होगा। सरफराज ने साफ कहा कि मैदान पर कई खिलाड़ी अपने व्यक्तिगत रिकॉर्ड बचाने में ज्यादा रुचि दिखा रहे थे, जबकि टीम का प्रदर्शन लगातार गिरता जा रहा है।

पाकिस्तान की टीम पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरी थी, लेकिन इसके बावजूद बांग्लादेश जैसी टीम से क्लीन स्वीप झेलना क्रिकेट जगत में बड़ी शर्मिंदगी माना जा रहा है। सरफराज ने टीम मीटिंग में यह भी कहा कि दूसरी टीमें लगातार आगे बढ़ रही हैं, जबकि पाकिस्तान का प्रदर्शन दिन-ब-दिन कमजोर होता जा रहा है।

टेस्ट कप्तान शान मसूद की रणनीति भी सवालों के घेरे में है। अहम मौकों पर डीआरएस नहीं लेने और कमजोर नेतृत्व को लेकर उनकी आलोचना हो रही है। शान मसूद की कप्तानी में पाकिस्तान ने 16 में से 12 टेस्ट मैच गंवाए हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि अगली टेस्ट सीरीज से पहले उन्हें कप्तानी से हटाया जा सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सलमान अली आगा टेस्ट टीम की कमान संभालने की दौड़ में सबसे आगे हैं।

### सात साल बाद छलका अभिनेता का दर्द

# 'कलंक' की असफलता से टूट गए थे वरुण धवन

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** अभिनेता वरुण धवन ने 2019 में रिलीज हुई मल्टीस्टारर फिल्म 'कलंक' की असफलता को लेकर पहली बार खुलकर बात की है। इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' के प्रमोशन में जुटे वरुण ने एक इंटरव्यू में बताया कि 'कलंक' के फ्लॉप होने से उन्हें गहरा झटका लगा था।

रेडियो नशा से बातचीत में वरुण ने कहा कि यह उनके करियर की पहली बड़ी असफलता थी, जिसने उन्हें अंदर तक हिला दिया। उन्होंने कहा, "उस समय तक मेरी लगातार फिल्में सफल हो रही थीं। मैंने 'कलंक' पर बहुत मेहनत की थी, इसलिए समझ नहीं आया कि दर्शकों ने उसे स्वीकार क्यों नहीं किया।" वरुण ने बताया कि उनके पिता डेविड धवन ने उन्हें समझाने की कोशिश की कि फिल्म इंडस्ट्री में सफलता और असफलता दोनों सामान्य हैं, लेकिन उस वक्त वह

यह बात स्वीकार नहीं कर पा रहे थे।

डेविड धवन ने भी फिल्म की असफलता पर निराशा जताई। उन्होंने कहा कि 'कलंक' बड़े पैमाने पर बनाई गई फिल्म थी, जिस पर करण जौहर समेत पूरी टीम ने कड़ी मेहनत की थी। उन्होंने याद किया कि वरुण की पहली फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' देखने के बाद उन्हें बेटे के भविष्य पर भरोसा हो गया था।

वरुण ने कहा कि 'कलंक' भले ही बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही, लेकिन पूरी टीम ने इस फिल्म के लिए अपनी पूरी मेहनत झोंक दी थी।

### बिजली कटौती पर सख्त हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

# गर्मी में निर्बाध बिजली देने के निर्देश

**यूनिक समय, लखनऊ।** भीषण गर्मी और बढ़ती बिजली मांग के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की विद्युत व्यवस्था को लेकर बड़ी समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को साफ निर्देश दिए कि गांव हो या शहर, कहीं भी अनावश्यक बिजली कटौती नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आम जनता, किसानों, व्यापारियों और उद्योगों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने ऊर्जा विभाग, पावर कॉरपोरेशन और सभी विद्युत वितरण कंपनियों के अधिकारियों के साथ व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि गर्मी के मौसम में बिजली आपूर्ति बनाए रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने उत्पादन इकाइयों की पूरी क्षमता का उपयोग करने और तकनीकी खराबियों को न्यूनतम रखने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश की कुल बिजली उत्पादन क्षमता बढ़कर 13,388 मेगावाट हो गई है। वहीं गैर पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों से भी लगभग 10 हजार मेगावाट बिजली तैयार की जा रही है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि प्रदेश में 60 हजार किलोमीटर से अधिक लंबी ट्रांसमिशन लाइनें संचालित हो रही हैं और बिजली आपूर्ति व्यवस्था पहले से अधिक मजबूत हुई है।

## लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई तय

मुख्यमंत्री ने ट्रांसफॉर्मर खराब होने, फीडर बंद होने और शिकायत निस्तारण में लापरवाही पर सख्त नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही आंधी–तूफान जैसी परिस्थितियों में भी त्वरित मरम्मत व्यवस्था सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में यह भी बताया गया कि अप्रैल और मई में तापमान बढ़ने के कारण बिजली मांग में लगातार वृद्धि हुई है। इसके बावजूद उत्तर प्रदेश देश में सबसे अधिक बिजली मांग पूरी करने वाले राज्यों में शामिल रहा। मुख्यमंत्री ने स्मार्ट मीटर, हेल्पलाइन और शिकायत निस्तारण व्यवस्था को और पारदर्शी बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि उपभोक्ताओं को समय पर सही जानकारी और सही बिल मिलना जरूरी है।

# कल से शुरू होगा नौतपा, बढ़ेगी तपिश

**यूनिक समय, लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी का दौर लगातार जारी है। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार 25 मई से नौतपा की शुरुआत होने जा रही है, जिसके चलते अगले छह दिनों तक तेज धूप, लू और झुलसाने वाली गर्म हवाओं का असर देखने को मिलेगा। प्रदेश के कई जिलों में तापमान लगातार बढ़ रहा है और लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है।

शनिवार को बांदा प्रदेश का सबसे गर्म जिला रहा, जहां अधिकतम तापमान 46.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रयागराज 46 डिग्री के साथ दूसरे स्थान पर रहा। इसके अलावा झांसी में 44.9, वाराणसी में 44.7, हमीरपुर में 44.6 और सुल्तानपुर में 44.4 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया।

हालांकि अवध और एनसीआर के कुछ हिस्सों में आंधी और हल्की बारिश देखने को मिली, लेकिन इससे गर्मी से खास राहत नहीं मिली। अयोध्या, बाराबंकी और गोंडा में तेज आंधी से पेड़ और बिजली के खंभे गिर गए।

मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार प्रदेश में फिलहाल कोई सक्रिय मौसम तंत्र नहीं है, इसलिए मौसम शुष्क बना रहेगा। हालांकि छह दिन बाद प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई गई है, जिससे तापमान में कुछ गिरावट आ सकती है और लोगों को गर्मी से राहत मिलने के आसार हैं।

## छह दिन बाद बारिश के संकेत

## बांदा प्रदेश में सबसे ज्यादा गर्म

### बेरोजगारी और महंगाई पर मायावती का हमला

# बसपा ने दिया ब्राह्मणों को सबसे ज्यादा सम्मान

## पांचवीं बार सत्ता वापसी का दिया मंत्र

**यूनिक समय, लखनऊ।** बसपा सुप्रीमो मायावती ने रविवार को लखनऊ स्थित अपने आवास पर राज्यस्तरीय बैठक कर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का संदेश दिया। बैठक में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष, आकाश आनंद और आनंद कुमार भी मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं को "हाथी पर बटन दबाना है, पांचवीं बार सत्ता में वापस आना है" का मंत्र देते हुए चुनावी तैयारियों में जुटने को कहा।

मायावती ने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी, महंगाई और आर्थिक दबावों के कारण आम जनता का जीवन कठिन हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के समय बड़े–बड़े वादे करने वाली सरकारें बाद में जनता को भूल जाती हैं। उनके मुताबिक जनता विरोधी राजनीति के कारण लोगों का आत्मसम्मान के साथ जीना मुश्किल हो रहा है। बसपा प्रमुख ने दावा किया कि प्रदेश में पार्टी के पक्ष में माहौल बन रहा है और आने वाले विधानसभा चुनाव में बसपा मजबूत वापसी करेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव–गांव जाकर लोगों को जागरूक करने और बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय बनाने की अपील की। बैठक में कानून व्यवस्था, रोजगार और सामाजिक सम्मान के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। मायावती ने कहा कि बसपा सरकार के दौरान प्रदेश में कानून व्यवस्था बेहतर थी और सर्वजन हिताय की नीति पर काम हुआ था। उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2007 की तरह इस बार भी सर्वसमाज को साथ लेकर चलने की रणनीति अपनाई जाएगी। ब्राह्मण समाज का जिक्र करते हुए मायावती ने कहा कि बसपा शासन में उन्हें सबसे अधिक सम्मान और भागीदारी मिली थी। उन्होंने दावा किया कि कमजोर वर्गों और सर्वसमाज का हित केवल बसपा में सुरक्षित है। बैठक में आगामी चुनावों को लेकर संगठनात्मक रिपोर्ट और रणनीति पर भी चर्चा की गई।

# तकनीकी खराबी से खेत में उतरा विमान

**यूनिक समय, अलीगढ़।** उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में रविवार को एक प्रशिक्षु विमान की तकनीकी खराबी के कारण खेत में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। यह घटना थाना हरदुआगंज क्षेत्र के चंगेरी गांव के पास हुई। विमान धनीपुर हवाई अड्डे से उड़ान भरने के करीब एक घंटे बाद अचानक खराबी का शिकार हो गया।

जानकारी के अनुसार सुबह 8:25 बजे पायलट प्रशिक्षु छात्र को लेकर प्रशिक्षण उड़ान पर निकला था। उड़ान के दौरान विमान में तकनीकी समस्या आने पर पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए सुरक्षित स्थान की तलाश की और गांव के पास खेत में विमान उतार दिया। लैंडिंग के दौरान विमान के पहिए खेत की मिट्टी में धंस गए, जिससे वह वहीं रुक गया। घटना के बाद ग्रामीणों में अफरा–तफरी मच गई और मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। एडीएम सिटी अतुल गुप्ता ने बताया कि विमान में सवार पायलट और प्रशिक्षु छात्र पूरी तरह सुरक्षित हैं। इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। अधिकारियों ने विमान की तकनीकी जांच शुरू कर दी है।

## अलीगढ़ में हुई इमरजेंसी लैंडिंग

## पायलट और प्रशिक्षु छात्र सुरक्षित

### पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा

# बस, ट्रक और ट्रैक्टर में भिड़ंत तीन की मौत, दो घायल गंभीर

**यूनिक समय, अयोध्या।** उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले में रविवार सुबह पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर बड़ा सड़क हादसा हो गया। कुमारगंज थाना क्षेत्र में माइलस्टोन 77 के पास बस, ट्रक और ट्रैक्टर की जोरदार टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद एक्सप्रेसवे पर अफरा–तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही यूपीडा के सुरक्षाकर्मी और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। राहत और बचाव कार्य शुरू करते हुए घायलों को एंबुलेंस से सौ शैय्या संयुक्त चिकित्सालय कुमारगंज भेजा गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। वहीं दो गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। मृतकों में 60 वर्षीय अयोध्या पटेल निवासी चंपारण बिहार, 45 वर्षीय रामचंदर निवासी लंभुआ सुल्तानपुर और एक अज्ञात व्यक्ति शामिल हैं। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे की वजह माना जा रहा है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। हादसे के कारण कुछ देर तक एक्सप्रेसवे पर यातायात भी प्रभावित रहा, जिसे बाद में सामान्य कराया गया।

### आगरा में कड़ी सुरक्षा के बीच यूपीएससी परीक्षा

# 28 केंद्रों पर पहुंचे हजारों अभ्यर्थी

**यूनिक समय, आगरा।** संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सर्विसेज प्रारंभिक परीक्षा रविवार को आगरा समेत देशभर में आयोजित की गई। आगरा में परीक्षा के लिए 28 केंद्र बनाए गए, जहां 11,786 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से कराने के लिए सभी केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

परीक्षा दो पालियों में आयोजित हुई। पहली पाली सुबह 9:30 से 11:30 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2:30 से शाम 4:30 बजे तक चली। पहली पाली के लिए अभ्यर्थियों को सुबह 8:30 से 9 बजे तक ही प्रवेश दिया गया। निर्धारित समय के बाद किसी को अंदर जाने की अनुमति नहीं मिली। केंद्रों पर सुबह से ही परीक्षार्थियों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। मोबाइल, स्मार्ट वॉच, बैग और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान पूरी तरह प्रतिबंधित रहे। पहचान पत्रों के सत्यापन और सघन जांच के बाद ही प्रवेश दिया गया। साकेत इंटर कॉलेज समेत कई केंद्रों के बाहर अभिभावकों की भीड़ भी नजर आई। कई लोग परीक्षा समाप्त होने तक बाहर इंतजार करते रहे। इसी दौरान एक महिला अभ्यर्थी छोटे बच्चे के साथ केंद्र पहुंची। बाद में उसने बच्चे को परिजनों के पास छोड़कर परीक्षा दी। यह भावुक दृश्य वहां मौजूद लोगों का ध्यान खींचता रहा।

## सख्त जांच के बाद मिला प्रवेश

### आगरा में नकली दवाओं का बड़ा खुलासा

# 18 मेडिकल स्टोरों पर छापेमारी 23 लाख की संदिग्ध दवाएं जब्त

**यूनिक समय, आगरा।** लखनऊ मुख्यालय की विशेष औषधि टीम ने आगरा में तीन दिन तक चली कार्रवाई में नकली, एक्सपायरी और सरकारी दवाओं के बड़े सिंडिकेट का खुलासा किया। टीम ने 18 मेडिकल स्टोरों और गोदामों पर छापा मारकर करीब 23 लाख रुपये की संदिग्ध दवाएं जब्त कीं। जांच के लिए 85 दवाओं के नमूने भी लिए गए हैं।

जांच में सामने आया कि नामी कंपनियों के नाम पर नकली दवाएं तैयार कर बाजार में बेची जा रही थीं। कई जगह एक्सपायरी दवाओं पर नए लेबल लगाए गए थे। वहीं "नॉट फॉर सेल" वाली सरकारी और सैंपल दवाएं भी बाजार में बेची जा रही थीं। विभाग ने कई फर्मों की दवाओं की बिक्री पर रोक लगाकर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

# रेलवे ट्रैक के पास आत्मघाती हमला, 30 लोगों की मौत

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा शहर के पास चमन फाटक क्षेत्र में रेलवे ट्रैक के नजदीक रविवार को आत्मघाती हमला हुआ। इस धमाके की चपेट में जाफर एक्सप्रेस ट्रेन आ गई, जिससे बड़ा हादसा हो गया। घटना में अब तक 30 लोगों की मौत और 82 से अधिक लोगों के घायल होने की पुष्टि की गई है।

धमाका इतना तेज था कि ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतर गए और कुछ में आग लग गई। जोरदार विस्फोट से आसपास का इलाका भी प्रभावित हुआ और कई इमारतों के शीशे टूट गए। घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई और यात्री जान बचाने के लिए भागते नजर आए।

सूचना मिलते ही पुलिस, फायर ब्रिगेड और रेस्क्यू टीमें तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं और राहत व बचाव कार्य शुरू किया गया। आग पर काबू पाने के प्रयास देर तक चलते रहे। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।

बलूचिस्तान प्रशासन ने पूरे इलाके को घेराबंदी में लेकर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल किसी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां इसे आतंकवादी घटना मानकर सभी पहलुओं से जांच कर रही हैं।

जाफर एक्सप्रेस को पहले भी कई बार निशाना बनाया जा चुका है, क्योंकि यह ट्रेन संवेदनशील इलाकों से होकर गुजरती है। इस घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया गया है।

## धमाके से जाफर एक्सप्रेस पटरी से उतरी

## 82 लोग घायल, राहत बचाव कार्य जारी

### नीट आरोपी का चौंकाने वाला वीडियो सामने

# मंत्र सिद्ध जल छिड़ककर अंक बढ़ाने का दावा वायरल

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में गिरफ्तार आरोपी शिवराज मोटेगांवकर एक बार फिर चर्चा में है। अब उसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने लोगों को हैरान कर दिया है। वीडियो में वह छात्रों पर कथित "मंत्र सिद्ध जल" छिड़कते हुए दिखाई दे रहा है और दावा कर रहा है कि इससे परीक्षा में अंक बढ़ जाएंगे।

जानकारी के मुताबिक शिवराज मोटेगांवकर लातूर स्थित आरसीसी संस्थान का संचालक है। इसी संस्थान का नाम नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में सामने आने के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो ने उसे गिरफ्तार किया था। अब वायरल वीडियो ने मामले को और गंभीर बना दिया है। वीडियो में मोटेगांवकर हाथ में कलश लेकर छात्रों पर पानी छिड़कता नजर आ रहा है। दावा किया जा रहा है कि वह इसे सफलता दिलाने वाला "विशेष जल" बता रहा था।

उधर, जांच एजेंसियों की कार्रवाई लगातार तेज होती जा रही है। सूत्रों के अनुसार केंद्रीय जांच ब्यूरो के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय भी मामले में धन शोधन जांच की तैयारी कर रहा है। जांच में कई बैंक खातों और संदिग्ध लेनदेन की जानकारी सामने आई है।

केंद्रीय जांच ब्यूरो की जांच में आरसीसी संस्थान से जुड़े कई बड़े खुलासे हुए हैं। बताया जा रहा है कि साल 2025 में संस्थान के 21 छात्रों का नीट में चयन हुआ था, जिनमें से 19 छात्रों को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में प्रवेश मिला। अब एजेंसियां पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही हैं।

## छात्रों पर पानी छिड़कता दिखा संचालक

# शादी के विवाद में बेटे ने मां को जिंदा जलाया

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** महाराष्ट्र के धुले जिले से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक बेटे ने अपनी ही बुजुर्ग मां को ज्वलनशील पदार्थ डालकर जिंदा जला दिया। गंभीर रूप से झुलसी महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी और आक्रोश का माहौल है।

मृतक महिला की पहचान जिजाबाई भटू खैरनार–पाटील के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी बेटे प्रदीप उर्फ दगडू खैरनार–पाटील को हिरासत में ले लिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी अपनी शादी नहीं होने से नाराज था और उसे शक था कि उसकी मां ही उसकी शादी में बाधा बन रही हैं। जानकारी के अनुसार घटना वाली रात प्रदीप शराब के नशे में घर पहुंचा और मां से विवाद करने लगा। देखते ही देखते बहस इतनी बढ़ गई कि उसने कथित तौर पर मां पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी। महिला गंभीर रूप से झुलस गईं और बाद में उनकी मौत हो गई।

पुलिस ने मौके से सबूत जुटाकर मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों के मुताबिक पारिवारिक कलह और शराब की लत इस खौफनाक घटना की बड़ी वजह मानी जा रही है।

## महाराष्ट्र के धुले में दिल दहला देने वाली वारदात

## शराब के नशे में आरोपी ने उठाया खौफनाक कदम

# ट्रंप का बड़ा दावा, होर्मुज जलडमरूमध्य जल्द खुलेगा

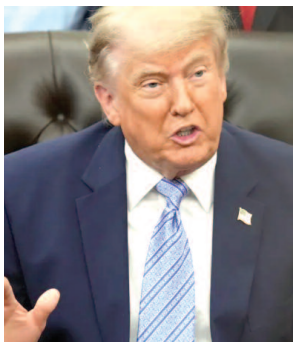

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा दावा किया है। ट्रंप ने कहा कि ईरान और कई अन्य देशों के बीच समझौता लगभग तय हो चुका है और अब केवल अंतिम औपचारिकताएं बाकी हैं। उन्होंने संकेत दिए कि जल्द ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज यानी होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की प्रक्रिया पूरी हो सकती है।

ट्रंप के अनुसार इस समझौते को लेकर उन्होंने सउद्दी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, पाकिस्तान, तुर्की, मिस्र, जॉर्डन और बहरीन के नेताओं से लंबी बातचीत की है। उन्होंने कहा कि सभी पक्ष क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करने के प्रयास में जुटे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी फोन पर चर्चा की। ट्रंप ने कहा कि समझौते के अंतिम बिंदुओं पर बातचीत चल रही है और जल्द ही इसे दुनिया के सामने पेश किया जाएगा।

यह बयान ऐसे समय आया है जब हाल ही में अमेरिका द्वारा ईरान पर नए हमलों की संभावना पर चर्चा हुई थी। हालांकि ट्रंप ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम या संवर्धित यूरेनियम का कोई उल्लेख नहीं किया। वहीं ईरान ने भी संकेत दिए हैं कि वह अमेरिका के साथ तनाव खत्म करने के लिए समझौता ज्ञापन की दिशा में काम कर रहा है।

## ईरान संग समझौते को अंतिम रूप बाकी

## कई देशों के नेताओं से हुई बातचीत

# कॉकरोच जनता पार्टी की वेबसाइट भी हुई बंद

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** सीजेआई सूर्यकांत की टिप्पणी के बाद चर्चा में आई 'कॉकरोच जनता पार्टी' एक बार फिर सुर्खियों में है। पार्टी की आधिकारिक वेबसाइट बंद कर दी गई है, जबकि उसका एक्स अकाउंट पहले ही भारत में प्रतिबंधित किया जा चुका है। इसके बाद पार्टी संस्थापक अभिजीत दीपके ने इसे तानाशाही करार दिया है। अभिजीत दीपके ने दावा किया कि उनकी वेबसाइट पर करीब 10 लाख लोगों ने पंजीकरण कराया था। इनमें से लाखों लोगों ने नीट-प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनका निजी इंस्टाग्राम अकाउंट हैक कर लिया गया है।

दीपके ने सोशल मीडिया पर कहा कि सरकार युवाओं की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है। हालांकि उन्होंने अपने समर्थकों से शांति बनाए रखने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि किसी भी विरोध प्रदर्शन से उनका कोई संबंध नहीं होगा। उधर महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में स्थित अभिजीत दीपके के घर के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा बढ़ाई गई है। फिलहाल यह मामला सोशल मीडिया और युवाओं के बीच तेजी से चर्चा का विषय बना हुआ है।

## संस्थापक के घर बाहर बढ़ाई गई सुरक्षा

## सोशल मीडिया पर मामला बना चर्चा का विषय

## दिल्ली जिमखाना क्लब विवाद पर किरण बेदी की नाराजगी

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** पूर्व आईपीएस अधिकारी किरण बेदी ने दिल्ली जिमखाना क्लब को खाली कराने के केंद्र सरकार के आदेश पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण और अत्यंत दुखद बताया है। उनका कहना है कि यह केवल एक भवन नहीं, बल्कि देश की खेल और संस्थागत विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। सरकार ने लुटियंस दिल्ली स्थित 27.3 एकड़ में फैले इस ऐतिहासिक क्लब को सुरक्षा और रणनीतिक जरूरतों का हवाला देते हुए 5 जून तक खाली करने का निर्देश दिया है। आदेश के अनुसार भूमि एवं विकास कार्यालय उस दिन परिसर का कब्जा अपने अधीन ले लेगा, और निर्देशों का पालन न होने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

### भारत के स्कूलों में शुरू होगा एआई कार्यक्रम

# शिक्षकों और छात्रों को मिलेगा प्रशिक्षण

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** देशभर के स्कूलों में जल्द ही एआई आधारित शिक्षा कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। इस पहल के तहत छात्रों और शिक्षकों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसका उद्देश्य भारत के शिक्षा तंत्र को डिजिटल और भविष्य–उन्मुख बनाना है, ताकि विद्यार्थी और शिक्षक नई तकनीक के साथ बेहतर तरीके से सीख और पढ़ा सकें। इस पहल के तहत गूगल द्वारा एक विशेष एआई प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है, जिसमें शिक्षकों को कक्षा में एआई टूल्स के उपयोग की जानकारी दी जाएगी। इससे पढ़ाई को अधिक सरल, रोचक और इंटरैक्टिव बनाने में मदद मिलेगी। कंपनी के अनुसार यह प्रशिक्षण मोबाइल आधारित होगा, जिससे शिक्षक इसे कहीं से भी आसानी से सीख सकेंगे। इसे भारतीय शिक्षकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

शुरुआत में यह काय क्रम महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, असम, पंजाब और लद्दाख जैसे क्षेत्रों में स्कूलों के सहयोग से लागू किया जाएगा। इस कार्यक्रम में शिक्षकों को यह सिखाया जाएगा कि एआई की मदद से पढ़ाई को कैसे अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है और छात्रों की समझ को कैसे बेहतर किया जा सकता है। साथ ही कक्षा में तकनीक आधारित नई शिक्षण विधियों पर भी जोर दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण छह भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होगा, जिनमें हिंदी, असमिया, मराठी, तेलुगु, ओडिया और पंजाबी शामिल हैं, जिससे देशभर के शिक्षक आसानी से जुड़ सकेंगे।

## छह भारतीय भाषाओं में होगी शुरुआत

# गुजरात में कांग्रेस का राज्यसभा से खत्म होगा प्रतिनिधित्व

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** गुजरात में कांग्रेस के लिए राजनीतिक संकट लगातार गहराता नजर आ रहा है। राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल का कार्यकाल 21 जून को समाप्त होने जा रहा है। इसके बाद पहली बार ऐसा होगा जब गुजरात से कांग्रेस का एक भी सदस्य राज्यसभा में मौजूद नहीं रहेगा। दरअसल गुजरात विधानसभा में भाजपा का भारी बहुमत है। 182 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के 162 विधायक हैं, जबकि कांग्रेस के पास केवल 12 विधायक बचे हैं। आम आदमी पार्टी के 5 विधायक हैं और अन्य दलों व निर्दलीयों के कुछ सदस्य मौजूद हैं। ऐसे में राज्यसभा की चार सीटों पर होने वाले आगामी चुनाव में भाजपा की स्थिति बेहद मजबूत मानी जा रही है। भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार राज्यसभा चुनाव के लिए 1 जून को अधिसूचना जारी होगी। 8 जून नामांकन की अंतिम तिथि रहेगी, जबकि 18 जून को मतदान कराया जाएगा।

## शक्ति सिंह गोहिल का कार्यकाल जून में समाप्त

## भाजपा के मजबूत बहुमत से बढ़ी चिंता

### खुदा मेहरबान तो ....पहलवान

# अधिकारियों की मेहरबानी से फलफूल रहे फर्जी पेट्रोल पंप

## जिले भर में दो दर्जन से अधिक फर्जी पेट्रोल पंप

## बायो के नाम पर बेचा जा रहा डीजल पेट्रोल

संवाददाता

**यूनिक समय, मांट।** खुदा मेहरबान तो ...पहलवान वाली कहावत कम से कम जिले में तो शत प्रतिशत सही साबित हो रही है। अधिकारियों की नजरें इनायत से जिले भर में दो दर्जन के करीब फर्जी पेट्रोल पम्प धड़ल्ले से चल रहे हैं।

जिले भर में बायो डीजल पंप कुकरमुत्ते की तरह उग आए हैं। कानूनन इन स्थानों पर केवल बायो डीजल बेचा जा सकता है,पर ज्यादातर पर साधारण डीजल के साथ पेट्रोल भी खुलेआम बेचा जा रहा है। इन स्थानों पर बेचे जा रहे पेट्रोलियम पदार्थों के मिलावटी होने की भी पूरी संभावना है।

इस तरह के फर्जी पंप कहां से डीजल-पेट्रोल खरीद रहे हैं। यह भी एक जांच का विषय है। इस संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। इन स्थानों पर या तो मिलावटी माल लाया जा रहा है,या फिर कहीं से चोरी का माल आ रहा है। इन फर्जी पंप से उन लोगों की बिकी भी प्रभावित होती है,जिन्होंने करोड़ों रुपयों का निवेश कर राष्ट्रीय कृत कंपनियों के पेट्रोल पंप संचालित किए हुए हैं।

### अधिकारियों की निगाह में है सब खेल

**यूनिक समय, मांट।** बायो डीजल के नाम पर चल रहा फर्जीबाड़ा पूरा अधिकारियों की निगाह में है,क्यों कि कई बार जिम्मेदार अधिकारी इन पंप के सामने से होकर गुजरते हैं, पर अफसोस उन्हें यह पंप कभी दिखाई नहीं दिए। मांट की एसडीएम दीपिका मेहर का कहना है कि अगर वास्तव में ऐसा कुछ हो रहा है तो वह खुद जांच करेंगी।

### ज्यादातर पर नहीं है एनओसी

**यूनिक समय, मांट।** बायो डीजल के नाम पर चल रहे पेट्रोल पंप में से ज्यादातर के पास किसी विभाग की एनओसी भी नहीं है, जबकि किसी पेट्रोलियम कंपनी का आउटलेट (पंप) शुरू करने से पहले फायर,खाद्य आपूर्ति विभाग,यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण, प्रदूषण विभाग,विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग, राजस्व विभाग आदि से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना पडता है। इसके बाद डीएम के स्तर से डीजल बेचने का लाइसेंस लेना पड़ता है, जबकि पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन पेट्रोल बेचने की अनुमति प्रदान करता है। पर इन सभी पंप पर ऐसा कुछ नहीं हुआ। मांट के अग्निशमन अधिकारी किशन लाल खुद कहते हैं कि मांट और महावन तहसील क्षेत्र में ऐसे जो भी पंप चल रहे हैं, उनमें से ज्यादातर ने उनके विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं लिया है।

### मांट, राया, छाता क्षेत्र में दो दर्जन पम्प

**यूनिक समय, मांट (मथुरा)।** छाता में सेही, बाजना, स्याहरा, गढ़ी,तरौली, परखम,छाता शेरगढ़ रोड,उझानी,बरहा में इस तरह के पंप संचालित हैं, तो मांट में मनी का बास,कसेरा जैसवां, जावरा, नसीटी, कराहरी, हसनपुर– नावली रोड, नानकपुर और चांदपुर कलां जबकि राया के आसपास बाड़ोंन,अंदुआ,नीमगांव,सादा बाद राया रोड,पचावर,घाटे का चौराहा पर इस तरह के पंप संचालित हैं,हालांकि यह तो बानगी मात्र है,निष्पक्ष जांच में यह संख्या दोगुनी से ज्यादा भी हो सकती है।

### आ गया गंगा दशहरा

# कल श्रद्धालु लगाएंगे यमुना में डुबकी

बाजार में बिकने के लिए सजी पतंगें।

प्रमुख संवाददाता

**यूनिक समय, मथुरा।** कल गंगा दशहरा है। यमुना के घाटों पर श्रद्धालु डुबकी लगाएंगे तो लोग पतंग उड़ाएंगे। बाजारों में रंग-बिरंगी पतंग आ गई है। वह शौकीनों का मन मोह रही है। नगर निगम ने यमुना के घाटों की सफाई करा दी है।

महिलाएं कल गंगा दशहरा पर पंखा और पानी से भरे मटके दान करेंगी। मंदिरों में विशेष उत्सव मनाया जाएगा। यमुना में डुबकी लगाने के लिए घाटों पर विशेष व्यवस्था की गई हैं। मथुरा और वृंदावन में श्रद्धालुओं के गहरे पानी में जाने से रोकने के लिए बैरीकेटिंग की गई है। पुलिस भी तैनात होगी। नगर निगम की टीम भी निगरानी रखेगी। कल आसमान में सुबह से शाम तक पतंग ही पतंग उड़ती दिखाई देंगी। खूब पेच लड़ाए जाएंगे।

### पतंग उड़ाने के शौकीन उतरे मैदान में

# पुरुषोत्तम माह में हुआ प्राचीन श्री दीर्घ विष्णु का महाभिषेक

**यूनिक समय, मथुरा।** ब्रजमंडल तीर्थ क्षेत्र के प्राचीन श्री दीर्घ विष्णु मंदिर में आज पुरुषोत्तम माह महोत्सव में अभिषेक किया गया श्री रामजन्म महोत्सव मनाया गया। प्रातः काल मंगला आरती के बाद विग्रह का वैदिक मंत्रोच्चारण की ध्वनियों के मध्य पंचामृत महाभिषेक किया गया। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, पुरूषोत्तम माह में ठाकुर जी के विविध मनोरथों को प्रतिदिन तिथि अनुसार मनाया जाता है,आज ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष नवमी को रामनवमी महोत्सव के रूप में मनाया गया। पंचामृत अभिषेक के बाद ठाकुर का भव्य श्रृंगार किया गया, ठाकुर जी को सुगंधित पुष्पों की मालाएं धारण कराई गई, महिला मंडली ने मंगल बधाई गायन किया। इस अवसर पर सेवायत महंत कांतानाथ चतुर्वेदी, सेवायत बालकृष्ण चतुर्वेदी, लालकृष्ण चतुर्वेदी, सहित श्री दीर्घ विष्णु मंदिर सेवा संस्थान के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भगवान दीर्घ विष्णु भगवान का अभिषेक करते सेवायत।

# करंट लगने से गुस्साए पुजारी ने काटी बिजली की केबलें

वृंदावन स्थित गोपीनाथ बाजार में सड़क पर लेटा एक बुजुर्ग।

**यूनिक समय, वृंदावन।** गोपीनाथ बाजार स्थित राधा माधव विल्व व्यास मंदिर में कूलर साफ करते समय पुजारी ओमप्रकाश द्विवेदी को रेलिंग में उतर रहे करंट का जोरदार झटका लगा। हादसे से आक्रोशित होकर उन्होंने मंदिर की रेलिंग से बंधी मुख्य विद्युत केबलों को काट दिया।

भीषण गर्मी और उमस के बीच अचानक दर्जनों घरों की बत्ती गुल होने से पीड़ित उपभोक्ता भड़क उठे। नाराज लोगों ने देर रात मंदिर के सामने सड़क पर उतरकर जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान विरोध स्वरूप एक बुजुर्ग सड़क पर ही लेट गए, जिससे मौके पर अफरा–तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और स्थानीय संभ्रांत लोगों ने दोनों पक्षों को समझा–बुझाकर शांत कराया। इसके बाद बाजार से नई केबलें मंगवाकर रात में ही विद्युत आपूर्ति सुचारू कराई जा सकी।

### भीषण गर्मी में पीड़ितों का हंगामा, सड़क पर लेटा बुजुर्ग

# तालाब से अवैध खनन करते दो ट्रैक्टर–ट्रॉली जब्त

**यूनिक समय, छाता।** प्रशासन ने अवैध खनन के खिलाफ एक बार फिर शनिवार को देर शाम बड़ी कार्रवाई की है। ग्राम नरी क्षेत्र में स्थित एक तालाब से अवैध रूप से मिट्टी का खनन करते हुए दो ट्रैक्टर–ट्रॉलियों को पकड़ा गया है। यह कार्रवाई खनन अधिकारी और तहसीलदार की संयुक्त टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर की गई। तालाब में यह खुदाई कराई जा रही थी। ग्रामीणों की शिकायत और खुफिया इनपुट के बाद प्रशासनिक अमला हरकत में आया।

जैसे ही खनन अधिकारी और तहसीलदार अपनी टीम के साथ अचानक मौके पर पहुंचे, वहां अफरा–तफरी का माहौल पैदा हो गया। अधिकारियों ने बिना किसी देरी के अवैध खनन में लिप्त दोनों ट्रैक्टर–ट्रॉलियों को अपने कब्जे में ले लिया। तहसीलदार छाता खनन अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अवैध खनन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अवैध रूप से मिट्टी उठाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन की इस औचक कार्रवाई से क्षेत्र के अवैध खनन माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है। दोनों ट्रॉली-ट्रैक्टरों को पकड़ कर कोतवाली छाता में पुलिस के सुपर्द कर दिया।

### प्रशासनिक कार्रवाई से मचा हड़कंप

# नरहौली पहुंचे रामजीलाल सुमन पीड़ित परिवार से की मुलाकात

### सांसद ने सरकार पर लगाए दलित समाज पर अत्याचार के आरोप

**यूनिक समय, मथुरा।** नरहौली गांव में दलितों की बारात के साथ ठाकुरों द्वारा की गई मारपीट के मामले में आज समाजवादी पाटी के सांसद रामजीलाल सुमन ने पीड़ित परिवार के साथ मुलाकात कर घटना के बारे में जानकारी की।

करीब एक सप्ताह पूर्व नरहौली गांव में दलित परिवार की लड़कियों की बारात के चढ़ने के दौरान ठाकुर पक्ष द्वारा बारातियों और घरातियों के साथ की गई मारपीट और पत्थरबाजी से दोनों पक्षों के बीच तनाव बना हुआ है। हालांकि पुलिस ने दोनो पक्षों की तहरीर पर एक दूसरे के खिलाफ मारपीट आदि का मुकदमा दर्ज कर लिया था। पुलिस ने इस मामले में अपनी ओर से भी एक मुकदमा दोनों पक्षों के लोगों के खिलाफ दर्ज किया है। हलांकि पुलिस अभी तक इस मामले में कार्रवाई नहीं कर पाई है।

रविवार को सपा सांसद रामजीलाल सुमन ने पीड़ित परिवार से मुलाकात करने के बाद कहा कि यूपी में इस तरह की घटना कोई नई नहीं है। दलितों की बारात पर जानबूझ कर हमले हो रहे है। योगी सरकार के होते हुए दलितों पर अत्याचार हो रहे हैं। दलित समाज की महिलाओं के साथ अत्याचार किया जा रहा हैं, बाबा साहब की मूर्तियां तोड़ी जा रही है, ऐसी घटनाओं से दलितों में भय का माहौल है।

# सब्जी मंडी में एक समुदाय के युवकों ने दुकानदार से की मारपीट

**यूनिक समय, मथुरा।** कोतवाली के गोविंद गंज सब्जी मंडी में उस समय अफरा–तफरी मच गई,जब कुछ लोगों ने परचून के दुकानदार के साथ गाली- गलौच करते हुए मारपीट की और दुकान पर रखा सामान भी फेंक दिया।

गोविंद गंज सब्जी मंडी मे राकेश की परचून की दुकान है। शाम करीब चार बजे दूसरे समुदाय का एक युवक पानी का पाउच लेने पहुंचा। पानी पाउच को लेकर दोनों में विवाद हो गया, जो मारपीट में बदल गया। दुकानदार रोहित पुत्र राकेश और अंशु पुत्र गोपाल के साथ दूसरे समुदाय के लोगों ने मारपीट की और धमकी दी। अचानक हुई इस घटना से सब्जी मंडी में अफरा–तफरी मच गई। दूसरे समुदाय के लोग अधिक संख्या में थे, इसलिए दुकानदार कुछ नहीं कर सका। किसी प्रकार दुकानदारों ने बीच- बचाव कराया। इसके बाद ही मामला शांत हुआ। पीड़ित ने अपनी शिकायत कोतवाली में दर्ज कराई है। पुलिस ने दोनों का मेडिकल कराकर दूसरे समुदाय के कुछ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है।

### पानी के पाउच को लेकर हुआ था विवाद

### दो लोगों को पुलिस ने लिया हिरासत में

# यमुना में डूबे किशोर के शव की तलाश

**यूनिक समय मथुरा।** यमुना में कल डूबे किशोर का शव पुलिस बरामद नहीं कर सकी है। पुल से कूदने वाले युवक का शव आज यमुना से बरामद हो गया है। गोकुल में मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के गांव बाजपुर निवासी अवधेश अधिक मास में ब्रज दर्शन करने के लिए आया था। उनके साथ उनका 15 वर्षीय भतीजा हरिओम भी था। यमुना में स्नान करने के दौरान हरिओम का पैर फिसल गया और वह पानी में डूब गया था। उसका शव आज भी बरामद नहीं हो सका। वहीं, यमुना में पुल से छलांग लगाने वाले युवक कृष्णकांत उर्फ कन्हैया (35) पुत्र नारायण सिंह निवासी केशव कुंज कालोनी गणेशरा थाना हाइवे का शव आज पुलिस ने यमुना से बरामद करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिवारीजनों को सौंप दिया।

### पुल से कूदे युवक का शव पुलिस ने किया बरामद